● सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 124, पृष्ठ : 08, सीधी, मंगलवार, 10 जून 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

जो हम से बन पड़ा ए वतन हमने किया : शशि थरूर 5

जसप्रीत बुमराह इतिहास रचने की दहलीज पर 6

भ्रष्टाचार दूर करके तैयार किया विकसित भारत का आधार

जेपी नड्डा ने पेश किया एनडीए का रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 11 साल आज पूरे हो रहे हैं। इसे लेकर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए का 11 साल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले की सरकार भ्रष्टाचार और नकारात्मकता से भरी हुई थी। हम विकसित भारत की बात करते हैं। हमने इसे दूर करके 11 वर्षों में विकसित भारत का आधार तैयार किया। एनडीए पारदर्शी और भविष्यदर्शी सरकार है। लोग गर्व से कहते हैं कि मोदी है तो मुमकिन है। पिछले 11 वर्षों में हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र के साथ आगे बढ़े हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में 11 साल पहले तुष्टिकरण और समाज को खंडित करके अपनी कुर्सी को सुरक्षित रखना राजनीतिक संस्कृति का तरीका बन गया था। 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली जिम्मेदार व जवाबदेह सरकार आई। जिसने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति शुरू की। हम जो काम कर रहे हैं, उसे जनता के सामने रखें। केंद्र सरकार ने भारत की राजनीति की संस्कृति को बदला है। यह बात स्वर्ण अक्षरों में लिखी जानी चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जनता के नेतृत्व वाली सरकार है। यह अमृत काल है। पिछले 11 सालों ने वास्तव में विकसित और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है। देश मान चुका था कि ये संभव नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया। लोकसभा में टर्नआउट 58.46 प्रतिशत रहा, जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में टर्नआउट 63 प्रतिशत रहा। ये बदलाव मोदी सरकार के कड़े निर्णय की वजह से आया है। जेपी नड्डा ने कहा कि पिछले दशक में हमने एससी-एसटी-ओबीसी समेत समाज के सभी वर्गों की चिंता की है। उसी तरीके से हमने महिला नेतृत्व विकास को आगे बढ़ाया है। महिलाओं को पायलट बनाने से लेकर आर्मी में कमीशन देने तक, सैनिक स्कूलों में दाखिले से लेकर एनडीए में भर्ती तक, लखपति दीदी से लेकर स्वयं सहायता समूह को प्रमोट करने तक। मोदी सरकार में महिलाओं और एससी-एसटी और ओबीसी सभी को मुख्यधारा से जोड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लगातार राष्ट्रहित में साहसिक और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। हमने अनुच्छेद 370 को हटाया और तीन तलाक को खत्म किया। हमने नया वक्फ अधिनियम बनाया और नागरिकता संशोधन अधिनियम पारित किया। हमने विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33ल आरक्षण भी सुनिश्चित किया। हमने गरीब कल्याण करके दिखाया है। देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि नोटबंदी के समय कैसे हमारे राजनीतिक दल लाभ उठाने के लिए जनता को उकसा रहे थे। लेकिन भारत का आम व्यक्ति बैंक के सामने घंटों खड़ा रहा और मोदी सरकार के नोटबंदी के फैसले का समर्थन किया। जब नेतृत्व पर भरोसा होता है, तो जनता समर्थन करती है।

पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 11 वर्ष पूर्ण

सीएम बोले - देश को 2029 में भी प्राप्त होगा नेतृत्व

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य सरकार की ओर से उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान का दौर भारत का स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री मोदी ने जो कार्य किये हैं वह, न भूतो न भविष्यति हैं। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है की वर्ष 2029 में भी देश को नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के मानस को साथ जोड़ते हुए वैश्विक पटल पर भारत की विशेष पहचान बनाई है। वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने रूस से सस्ता पेट्रोल लेने के साथ ही इजराइल और अमेरिका से सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक से देश को लैस किया। यह उन्हीं के साहस और सामर्थ्य से संभव हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से चमत्कार कर दिखाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों का सेवाकाल विकसित भारत के संकल्प-सिद्धि की मजबूत आधारशिला है। इन वर्षों में गरीब, किसान, महिला, युवा सहित हर वंचित वर्ग के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को हम सभी महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के यशस्वी और दूरदर्शी नेतृत्व में नया भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। आस्था से अर्थव्यवस्था तक, परंपरा से प्रौद्योगिकी तक, सुविधा से सरोकार तक, कृषि से उद्योग तक, नौकरी से स्टार्ट-अप तक हर क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान रचे गए हैं।

मोदी सरकार पर कांग्रेस का हमला

11 साल में लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने को दिया झटका : खरगे

नई दिल्ली। एक ओर मोदी सरकार अपने कार्यकाल के 11 साल पूरे होने पर उपलब्धियों का बखान कर रही है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में देश के लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा झटका दिया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सरकार ने 11 साल में संविधान के पन्नों पर केवल तानाशाही की स्याही पोती है। भाजपा-आरएसएस ने हर संवैधानिक संस्था को कमजोर किया है और उनकी स्वतंत्रता पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि चाहे जनमत के खिलाफ जाकर पिछले दरवाजे से सरकारें गिराना हो या जबरन एक दलीय तानाशाही थोपना हो। इस दौरान राज्यों के अधिकारों की अनदेखी की गई और संघीय ढांचा कमजोर हुआ। खरगे ने कहा कि लगातार घृणा, धमकी और भय का माहौल फैलाने की कोशिश की जा रही है।

केरल तट के पास सिंगापुर के झंडे वाले जहाज में विस्फोट

कोच्चि। केरल तट के पास सिंगापुर के झंडे वाले जहाज में विस्फोट की खबर है। राहत व बचाव कार्य के लिए भारतीय नौसेना ने आईएनएस सूरत को डायवर्ट किया है। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह केरल तट के पास सिंगापुर के झंडे वाले कंटेनर जहाज एमवी वान हाई 503 में विस्फोट की खबर मिली। मुंबई में समुद्री परिचालन केंद्र की ओर से कोच्चि में अपने समकक्षों को सुबह करीब 10.30 बजे अंडरडेक विस्फोट की सूचना दी गई।

राजा हत्याकांड में खुलासा

मेघालय में पत्नी ने ही कराई हत्या, भाड़े पर बुलाए हत्यारे, सोनम समेत पांच गिरफ्तार

शिलांग। मेघालय में हनीमून के दौरान इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि राजा की हत्या कराने में उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी का हाथ था। उसने ही भाड़े के हत्यारे बुलाए थे। डीजीपी नोंगरांग ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि हत्या के सिलसिले में पत्नी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ईस्ट खासी हिल्स के एसपी विवेक सिम ने बताया कि सोमवार को मध्य प्रदेश के सागर जिले से एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। ऐसे में अब तक कुल पांच लोगों की गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने एक्स पर लिखा, राजा हत्याकांड में सात दिनों के भीतर ही पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मध्य प्रदेश के रहने वाले तीन हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला ने आत्मसमर्पण कर दिया है। एक अन्य हमलावर को पकड़ने के लिए अभियान अभी भी जारी है। इससे पहले डीजीपी आई नोंग्रांग ने सोमवार सुबह बताया कि इंदौर के पर्यटक राजा रघुवंशी की हत्या कथित तौर पर मेघालय में हनीमून के दौरान उनकी पत्नी की ओर किराए पर बुलाए गए लोगों ने की।

राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन राजभवन के वैंक्वेट हॉल में किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने धरती आबा बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। भगवान बिरसा मुंडा को राजभवन के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में

राष्ट्रपति की गरिमामय उपस्थिति में विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को

भोपाल। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि रहेंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण शामिल होंगे।

मैतई नेता की गिरफ्तारी के विरोध में हिंसा जारी

इंफाल। मणिपुर में मैतेई नेता और चार अन्य की गिरफ्तारी के विरोध में जारी प्रदर्शन जारी हैं। रविवार रात को प्रदर्शनकारियों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए रात भर मशाल जुलूस निकाला। सरकारी इमारत को जला दिया गया और प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों के साथ झड़प हुई। हिंसा के चलते मणिपुर के कई जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। पुलिस ने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले के क्वाकेथेल और सिंगजामेई इलाकों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों की झड़प हुई। पुलिस ने कई राउंड आंसू गैस के गोले छोड़कर और रबर की गोलियां चलाकर भीड़ को तितर-बितर किया। इंफाल पूर्वी जिले में सब डिविजनल कलेक्टर के कार्यालय को प्रदर्शनकारियों ने आग लगा दी, जिससे कार्यालय की इमारत को नुकसान पहुंचा है। साथ ही कार्यालय में रखे आधिकारिक दस्तावेज नष्ट हो गए हैं। पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है और ये पता लगाया जा रहा है कि इस आगजनी की घटना के पीछे कौन है।

मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी शुरू करेगी संवाद यात्रा

भोपाल। दिल्ली में मिली बड़ी हार के बाद आम आदमी पार्टी अब मध्य प्रदेश में विस्तार करेगी। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने पूर्व मंत्री जितेंद्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश में पार्टी की कमान सौंपी है। मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी प्रदेश स्तरीय संवाद यात्रा निकलेगी इसके लिए आब्जर्वर नियुक्त किए जाएंगे। सोमवार को दिल्ली के पूर्व मंत्री जीतेन्द्र सिंह तोमर ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी।

सीट शेयरिंग पर चिराग पासवान बोले- एनडीए में अभी सीटों के समझौते पर कोई बातचीत नहीं हुई

नई दिल्ली। बिहार चुनाव पर इस समय पूरे देश की निगाहें टिकी हुई हैं। किस गठबंधन में किसको कितनी सीटें मिल सकती हैं, इस पर भी कयासबाजी शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि इस बार एनडीए खेमे में भाजपा और जदयू सौ से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं, जबकि शेष सहयोगियों को शेष सीटों में सम्मानजनक बंटवारा किया जा सकता है। लेकिन लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने इन खबरों को बेसिर पैर करार दिया है। उन्होंने कहा है कि एनडीए खेमे में अभी सीटों के समझौते पर कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने कहा है कि सीटों के बारे में वे अपनी राय गठबंधन की बैठक में पार्टी नेताओं के बीच रखेंगे।

दरअसल, चिराग पासवान को इस समय बिहार की राजनीति का हॉट केक कहा जा रहा है। चिराग पासवान की आंखें राज्य के मुख्यमंत्री पद पर अटकी हुई हैं और वे नीतीश कुमार के बाद के समय में अपने आपको मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में पेश कर रहे हैं। बिहार की राजनीति के जानकारों का कहना है कि चिराग की यह कोशिश एनडीए के बीच अपने लिए ज्यादा से ज्यादा सीटों पर दावा ठोंकना है।

पिछली बार चिराग पासवान की पार्टी ने 134 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन एनडीए गठबंधन में वापसी करने के बाद यहां सीटों का बंटवारा काफी कड़ा हो गया है। गठबंधन में भाजपा-जदयू के अलावा हम, लोजपा (रामविलास) और उपेंद्र कुशवाहा बढ़ गए हैं। इन सबको इनकी क्षमता के अनुसार गठबंधन में संतुष्ट किया जाना है।

लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने कहा है कि एनडीए गठबंधन में अभी सीटों पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। उनकी पार्टी अपने लिए एक सम्मानजनक सीटें हासिल करने की कोशिश करेगी, लेकिन उनकी जो भी संख्या है, वे उसे एनडीए नेताओं के साथ बैठक में रखेंगे।

कंपोजीट शराब दुकान में खुलेआम मची है लूट

शराब ठेकेदारों द्वारा क्षेत्र में जगह-जगह कराई जा रही है पैकारी

आबकारी अधिकारी का ठेकेदारो को मिला है संरक्षण

सिंगरौली

बैढन, सरई, देवसर, चितरंगी, समेत जिले भर में संचालित कंपोजीट शराब दुकानो पर एमआरपी से ज्यादा दामों पर शराब बेची जा रही है और यह सब जिला आबकारी अधिकारी के देखरेख में चल रहा है। संचालित सभी मदिरा उचित मूल्य की दुकानों पर एमआरपी से अधिक दामों पर खुलेआम शराब बेची जा रही है। बताया जाता है कि आबकारी नियमों को दरकिनार कर पैसों की लालच में आबकारी अधिकारी ठेकेदारों से सांठगांठ कर आबकारी नियमों की धज्जियां उड़ा रही है। किसी भी दुकान में ना तो रेस्ट लिस्ट लगी है ना ही कोई सुरक्षा के इंतजाम है। यहां तक कि शासन द्वारा प्रतिबंधित पोस्टरों को दुकानों में जमकर सजाया गया है। शासन का

स्पष्ट आदेश है कि किसी भी मदिरा दुकान में किसी भी ब्रांड की पोस्टर या बैनर नहीं लगनी चाहिए लेकिन इसके विपरीत दुकानों में सुरक्षा इंतजाम की जगह पोस्टर व बैनर लगे हैं। शासन के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। शराब दुकानों में ठेकेदारों द्वारा मनमानी कीमतो पर शराब बेची जा रही है। ठेकेदारो द्वारा निर्धारित कीमत से 30 से लेकर 100 तक से अधिक दामों पर शराब बेची जा रही है। यह कोई एक दुकान का हाल नहीं है बल्कि जिले में संचालित लगभग सभी दुकाने आबकारी विभाग की जगह ठेकेदारों के हिसाब से ही चल रही है। चाहे इसको आबकारी अधिकारी की दया दृष्टि कहें या कुछ और लेकिन सत्यता यही है कि सिंगरौली जिले की आबकारी ठेकेदारों से मोटी रकम लेकर उनको मनमानी करने की छूट दे रखा है।

आबकारी बीट प्रभारियों का मिला है संरक्षण

सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग तनख्वाह तो शासन की लेता है लेकिन चाकरी शराब ठेकेदारों की करता है। आबकारी विभाग के जितने भी बीट प्रभारी हैं। सभी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र की दुकानों से महीने में प्रति दुकान लाखों रुपए की वसूली करते हैं। यह बंदरबांट बेरोकटोक अनवरत जारी है। जिसकी वजह से शराब ठेकेदार आबकारी विभाग को अपने सुविधा मुताबिक इस्तेमाल करता है।

खुलेआम चल रहा शराब पैकारी का खेल

सूत्रो ने बताया कि आबकारी अधिकारी के सह पर शराब ठेकेदारो द्वारा हर गली कूचे मोहल्लों में शराब की अवैध पेकारी कराई जा रही है। शराब दुकानों से जितनी शराब काउंटर से बेची जाती है उससे कहीं ज्यादा शराब अवैध रूप से जगह-जगह पहुंचा कर बिकवाई जाती है और यह सब के खेल पुलिस व आबकारी की मिलीभगत से होता है। जिसके एवज में आबकारी को लाखों रुपए का पैकेट हर महीने पहुंचता है। जिससे ठेकेदार निर्भीक होकर जगह -जगह शराब की पैकारी कराते हैं। वहीं आबकारी आंख और कान बंद करके यह सब तमाशा देखती है।

बिना कागजात सड़को पर दौड़ रहे दो बसों सहित माल वाहक, वाहनों पर हुई कार्यवाही

आरटीओ चेक प्वाइंट टीम ने चेकिंग लगाकर वाहनों की कर रही है जांच

सिंगरौली। आरटीओ चेक प्वाइंट द्वारा सड़को पर बिना कागजात दौड़ रहे दो बसों सहित मालवाहक वाहनों पर कार्यवाही किया है। वहीं जब्त वाहनों को जयंत चौकी में खड़ा करा दिया गया है। इस कार्यवाही से मोटर मालिको में हड़कम्प मचा हुआ है। बताते चले कि यात्री बसों के दुर्घटनाओं को लेकर जिरो तालरेंस की नीति अपनायी जाएगी।

टीएसआई विभाग उइके का नवीन पदस्थापना आरटीओ चेक प्वाइंट प्रभारी बन कर आई हैं। जिन्होने कहा है कि आरटीओ चेक प्वांइट द्वारा समय-समय पर यात्री बसों की गहन जांच अभियान चलाया जाता है। साथ ही जन जागरुकता अभियान चलाया जाता है। वहीं बस ऑपरेटरों को निर्देशित किया गया है कि नियमानुसार यात्री बसों का परिवहन करें। वहीं आगे प्रभारी विभा उइके ने बताया है कि आरटीओ विक्रम सिंह राठौर के निर्देशन में संयुक्त टीम द्वारा नियम विरुद्ध संचालित यात्री बसों में वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। वहीं 9 जून को बरगवां हाइवे के पास बसों को रोक कर फिटनेस, परमिट, बीमा,टैक्स के साथ-साथ लायसेंस व वायु प्रदूषण चेकि गया है। जहां जांच के बाद कागजात कम्पलिट न मिलने पर कार्यवाही की गई है। वहीं 8 जून को चार-पांच मालवाहक वाहनों पर कार्यवाही की गई है। जिसमें दो मालवाहक वाहन बिना परमिट यूपी 64एटी8559 एवं यूपी 91 एटी 0406 को जयंत चौकी में सरक्षार्थ खड़ा कराया गया है।

इंटक जिलाध्यक्ष ने कलेक्टर के नाम लिखा पत्र

डीईओ कार्यालय से कीटाणुरोधी गोलियां व स्प्रे खरीदी की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग

सिंगरौली। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस यूथ इंटक के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह ने कलेक्टर के नाम पत्र लिखा है। जिसमें मांग किया है कि जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय से कीटाणुरोधी गोलियां व स्प्रे खरीदी की उच्चस्तरीय जांच कराकर कार्यवाही की मांग किया है। पत्र में आगे उल्लेख किया है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के वर्तमान में 97 लाख 67 हजार 790 रुपए की कीटाणुरोधी गोलियां व स्प्रे जिसका उपयोग विद्यालय के टायलेट बाथरुम में उपयोग के लिए खरीदी गई है। जबकि सिंगरौली जिले में संचालित शासकीय विद्यालय में कितना वर्तमान में प्रयोग के लिउ उपयोगी है भलिभांति सभी को मालूम है। जिसमें शासन की राशि का दुरूपयोग करने का काम किया गया है। जिसमें उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों व संविदाकार पर कठोर एवं दण्डात्मक कार्यवाही की मांग की है।

वेयर हाउस में चोरी कर रहे शातिर चोर मॉल के साथ पकड़ाए

9 बोरी अनाज के साथ एक धराया, तीन फरार

सिंगरौली

माड़ा थाना क्षेत्र के बहेरी में एक वेयर हाऊस में शातिर चोरों ने 9 बोरी अनाज चोरी कर भागने के फिराक में थे। तभी इसकी भनक लोगो को लग गई। जहां हल्ला गुहार करने पर तीन बदमाश मौके से फरार हो गए। वहीं एक बदमाश 9 बोरी अनाज के साथ मौके पर पकड़ा गया। जहां वेयर हाऊस के मालिक ने घटना की जानकारी माड़ा पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को

कब्जे में लेते हुए पूछताछ कर रही है। गौरतलब हो कि चोरी का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बताया जा रहा है कि 9 बोरी मॉल के साथ दिव्या वेयर हाउस बहेरी में चोरी करके अपने चोरी के योजना को पूरा कर रहे राजेश कुमार साकेत पिता लालाबाबू साकेत निवासी ग्राम बेतरियां रंगे हाथ पकड़ा गया है। चोर ने यह कबूल किया कि उसके साथ 4 और अन्य साथी भी थे जो कि वह फरार हो गए। वेयर हाउस के मालिक एवं स्थानीय लोगो ने तत्काल पुलिस को सूचना दिया है,जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने चोर और माल को अपने हिरासत में लेकर चोर से और अन्य साथियों एवं चोरी के माल की जांच में जुटी हैं।

शराब के नशे में धुत्त पति ने पत्नी को पीटा मौत, खुद खाया जहर

पति की हालत गंभीर, बरगवां थाना क्षेत्र के गोंदवाली की घटना

सिंगरौली। बरगवां थाना क्षेत्र के गोंदवाली गांव में बीती रात शराब के नशे में धूत्त पति ने पत्नी के साथ विवाद करने लगा। जहां विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने पत्नी को मौत के नींद सुला दिया। इसके बाद खुद जहर खा लिया। जिसकी सूचना पुलिस को दी। जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना के बाद पति को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इधर पत्नी के शव का पंचनामा प्रक्रिया उपरांत पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

बरगवां थाना प्रभारी राकेश साहू ने बताया देर रात किसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। विवाद इतना बढा की पति ने अपनी पत्नी बिट्टन बसोर को पीट-पीट कर मार डाला। वहीं घटना के बाद उसने खुद भी कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। इधर घटना की सूचना लगते ही अल सुबह बरगवां पुलिस मौके पर पहुंच गई, जहां पति लाले बसोर की हालत नाजुक देख पुलिस ने उसे इलाज हेतु ट्रॉमा सेंटर भिजवाया। जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। वहीं शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम हेतु भिजवाते हुए मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

विन्ध्याचल में भव्य एवं प्रेरणादायक सांस्कृतिक संध्या का हुआ आयोजन

सिंगरौली। एनटीपीसी विन्ध्याचल ने 8 जून को उमंग भवन सभागार में बालिका सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत एक भव्य एवं प्रेरणादायक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। यह आयोजन न केवल प्रतिभागियों की प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन था बल्कि एनटीपीसी की सामाजिक प्रतिबद्धता और बालिका सशक्तिकरण के संकल्प का प्रतीक भी रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयकुमार श्रीनिवासन, निदेशक वित्त एनटीपीसी लिमिटेड एवं सुनीथा जयकुमार श्रीनिवासन वरिष्ठ सदस्य संयुक्त महिला

समिति पधारे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में ई सत्य फणि कुमार कार्यकारी निदेशक विन्ध्याचल एवं सरोजा फणि कुमार अध्यक्षा सुहासिनी संघ उपस्थित रही। अपने उद्बोधन में श्री कुमार कार्यकारी निदेशक ने जेम की शुरुआत को विन्ध्याचल की गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया और कहा कि यह कार्यक्रम एनटीपीसी के हर परियोजना के लिए एक आंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा एनटीपीसी की असली ब्रांड एम्बेसडर ये बेटियां हैं। कार्यक्रम में जेम 2025 सप्ताह 3 की गतिविधियों पर आधारित विशेष वीडियो का लोकार्पण जयकुमार श्रीनिवासन निदेशक वित्त एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा किया गया। अपने प्रेरक संबोधन में सुनीता जयकुमार श्रीनिवासन ने कहा जो पहल विन्ध्याचल से शुरू होती है, वह कभी असफल नहीं होती। कार्यक्रम का समापन केक कटिंग समारोह, प्रतिभागियों के सम्मान एवं संजीव कुमार साहा, महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षणद्धए द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मुड़वानी डैम के पास दो ट्रेलरों में भिड़न्त, चालक घायल

सिंगरौली। जयंत चौकी क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को मुड़वानी डैम के पास दो ट्रेलरों की आमने-सामने जोरदार भिड़न्त हो गई। जहां इस घटना में वाहनों के सामने का हिस्सा के परखच्चे निकल गए। घटना में चालक गंभीर रुप से घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार मुड़वानी डैम इको पार्क के पास सोमवार सुबह दो ट्रेलरों मे जोरदार टक्कर हो गया जहां। हादसा इतना भीषण था कि वाहन के आगे के हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि ड्राइवर गंभीर रूप से घायल है। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित

सिंगरौली। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश के अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्कफर्स समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक के प्रारंभ में टीकाकरण के प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि टीकाकरण कार्यक्रम एवं मिजेल्स रूबेल निरमूलन 0 डोजर बच्चे व्हीपीडी सर्विलांस के सफल क्रियान्वन एवं संचालन के लिए ग्रामीण क्षेत्रो एवं शहरी क्षेत्रो में अभियान चलाकर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप टीकाकरण से वंचित शत-प्रतिशत बच्चो का टीकाकरण कराएं।

उन्होने निर्देश दिए कि संबंधित क्षेत्रो के आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं इस कार्य में संलग्न कर्मचारी आपस में समन्वय स्थापित कर छूटे हुये बच्चो के टीकारकण हेतु केन्द्र पर बच्चो का टीकाकरण कराएं।

सीएम हेल्प लाईन में लंबित शिकायतो का तत्परता के साथ करे निराकरण : सीईओ

अपादा प्रबंधन से संबंधित दिए गए निर्देशो का समय पर किया जाये पालन

सिंगरौली। सीएम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतो का निराकरण समय सीमा के अंदर किया जाना विभागीय अधिकारी सुनिश्चित करे तथा पूर्व बैठक में आपदा प्रबंधन से संबंधित जिन अधिकारियों को आवश्यक तैयारिया करने के लिए निर्देश दिए गए थे, उक्त के संबंध में प्रगति प्रतिवेदन दिया जाना सुनिश्चित करे। उक्त आशय का निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय सीमा बैठक के दौरान जिपं के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिया गया। बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाईन में लंबित 50 दिवस, 100 दिवस तथा समाधान विंदु में चिन्हित शिकायतो के निराकरण की प्रगति की जानकारी विभागवार लेने के पश्चात निर्देश

दिए कि अभी भी कुछ जिलाधिकारियों के द्वारा लंबित शिकायतो के निराकरण में रूचि नही ली गई है। जिसके कारण जिले कि रैकिंग प्रभावित हो रही है। साथ ही जन सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का भी निराकरण कई विभागो के द्वारा समय पर नही किया जा रहा है जो अत्यन्त ही खेदजनक है उन्होने निर्देश दिए कि समय सीमा के अंदर लंबित शिकायतो का निराकरण किया जाना सुनिश्चित करे। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर पीके सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम राजेश शुक्ला, ननि आयुक्त डीके शर्मा, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, तहसीलदार सविता यादव, जान्हवी शुक्ला, अधीक्षण यत्री विद्युत आरपी मिश्रा, सीएएचओ आरके जैन, जिला परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौर, आबकारी अधिकारी खेमराज श्याम सहित जिलाधिकारी मौजूद रहे।

तेंदूपत्ता तोड़ने के बाद 1200 श्रमिको के भुगतान पर लगा ग्रहण

वन परिक्षेत्र बरगवां के गोरवानी वन समिति के आधा दर्जन फड़ो का मामला

सिंगरौली। वन परिक्षेत्र बरगवां के गोरवानी वन समिति अंतर्गत सिंधु बिखा झरिया समेत आधा दर्जन फड़ो के तेंदूपत्ता गड्डियों को ठेकेदार ने लेने से इंकार कर दिया। ऐसे तेंदूपत्ता गड्डियों की संख्या करीब साढ़े आठ लाख से ऊपर का है।

ठेकेदार ने गुणवत्ताविहीन गड्डी होने का कारण बताकर रिजेक्ट किया है। जिसकी शिकायत फड़मुंशियों ने कलेक्टर एवं डीएफओ के यहां की है। सिंुध बिखा झरिया के फड़मुंशी प्रेमवति, पुष्पराज, संतोष, रीना साकेत, विविन्द्र सिंह समेत अन्य ने कलेक्टर एवं डीएफओ के यहां लिखित शिकायत पत्र देते हुये बताया कि वन समिति गोरवानी अंतर्गत सेन्दुरी, झरिया, जल्फाडोल, अ,ब,स,द एवं गोरा

स के फड़ो का करीब 8 लाख 50 हजार तेंदूपत्ता गड्डियों का खरीदी करने से इंकार कर दिया गया। जबकि 21 मई को तेंदूपत्ता गणना के बाद आगामी दिनांक से फड़ बंद करने के लिए अपने रजिस्टर में केता प्रतिनिधि के मैनेजर द्वारा फड़मुंशियों के हस्ताक्षर भी कराये गये थे। किंतु फड़मुंशियों के बिना सूचना एवं निरीक्षण किये ही अवैधानिक तरीक से वन परिक्षेत्राधिकारी पूर्व सरई और अध्यक्ष प्रबंधक के द्वारा वन चौकी पोड़ीडोल में बैठकर पूरे संग्रहण को गुणवत्ताविहीन लेखकर साथ ही एफआईआर कराने की धमकी देते हुये पंचनामा तैयार कर लिया गया। जबकि तेंदूपत्ता संग्रहण मानक गड्डी पूरे फड़ो में बिछाई गई है और बिना गड्डियों की संख्या निकाले ही पंचनामा तैयार किया गया है। फड़मुंशियों ने कलेक्टर एवं डीएफओ के यहां शिकायत कर मांग किया है कि उक्त मामले में टीम गठित कर समस्त फड़ो में तेंदूपत्ता संग्रहण कराने के बाद फैली हुई गड्डियों का सत्यापन कराकर उचित कार्रवाई की जाये। ताकि 1200 गरीब श्रमिको को पारिश्रमिक भुगतान किया जा सके।

फड़ से गड्डी लौटाने का नही प्रावधान

दरअसल यदि सूत्रों की बात माने तो तेंदूपत्ता गड्डियों को रिजेक्ट करने और गड्डी लेने से इंकार करने का निर्देश नही है। बल्कि पूर्व में निर्देश यह था कि यदि श्रमिक तेंदू का लाल पत्ता, कटा-फटा, दागदार लाते हैं तो फड़ पर ही उन्हें बैठाकर सुधार कराया जाये और साथ ही तेंदूपत्ता की गड्डी 50 पत्ते की हो। श्रमिको को फड़ से वापस करने का प्रावधान नही है। इतना जरूर है कि तेंदूपत्ता खरीदी की तिथि समाप्त हो गई है तो फड़मुंशी को हर हाल में लिखित सूचना के आधार पर 24 घंटे के पूर्व अवगत कराना पड़ेगा और तेंदू पत्ता खरीदी की पूरी मॉनिटरिंग वन विभाग के अमले द्वारा किया जाना है। फड़मुंशियों की बात माने तो वन विभाग एवं वन समिति की लापरवाही सामने आई है।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक निराकृत करायें : कलेक्टर

सीधी। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित समीक्षा करें तथा प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर शिकायतों को निराकृत करायें। कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड नहीं रहे और निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम रहे। उन्होंने कहा कि मई-25 की शिकायतों के निराकरण में सभी विभाग ए-ग्रेड के लिए प्रयास करेंगे। शिकायतकर्ता से संपर्क कर उनकी वैध समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने सीमांकन एवं भुगतान लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर द्वारा जिले में नशामुक्ति के लिए प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि नशे की गिरफ्त में आए युवाओं के पुनर्वास के लिए विशेष प्रयास किए जाए। जनजागरूकता के साथ कम उम्र के युवाओं को नशे की आदत छुड़ाने के लिए भी पहल करें। कलेक्टर ने दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दी जा रही सुविधाओं के विषय में जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी दिव्यांग मतदाताओं एवं बुजुर्ग मतदाताओं को चिन्हांकित कर लें। उनके लिए आयोग द्वारा दी जा रही सुविधाओं के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

बैठक में अपर कलेक्टर अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आर पी त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर एसपी मिश्रा, सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

सीजन 2 के फाइनल मैच में महुआगांव टीम बनी विजेता

सिंगरौली। महुआ गांव युवा समिति का एमपीएल रात्रि कालीन टूर्नामेंट सीजन 2 में बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही क्षेत्रीय नेताओं के साथ इस आयोजन में गणमान्य नागरिकों का भी सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ 25 मई को धौहनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुंवर सिंह टेकाम के सौजन्य से शुभारंभ किया गया था, जिसका बीते दिन रविवार 8 जून को समापन हुआ। मैंच का फाइनल मुकाबला दो टीमों के साथ जमकर बल्लेवाजी करने वाले पहले टास्क फोर्स टीम गिजवार ने जीता। वही दूसरी टीम महुआ गांव जमकर फिल्ड में अंगद की तरह पांव जमा दिए। अच्छी फिल्डिंग बेहतरीन प्रदर्शन के साथ क्रिकेट टूर्नामेंट का सीजन 2 समापन समारोह सम्पन्न हुआ। दोनों टीमों का शानदार प्रदर्शन रहा। हजारों की संख्या में दर्शक अंतिम तक डटें रहे। 5 विकेट के नुकसान पर 71 रन चौके के साथ हासिल कर फस्ट विजेता बनी महुआ गांव टीम।

बनिया कॉलोनी में हुआ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

सीधी

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में श्री मृदुल लटौरिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा सोमवार दिनांक 09.06.2025 को बनिया कॉलोनी जिला सीधी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में श्री मृदुल लटौरिया द्वारा उपस्थित आमजन को नालसा हेल्पलाईन नंबर 15100, भरण-पोषण एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम, नालसा नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाए योजना 2015, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, मध्यस्थता योजना, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को विधिक सहायता, आदिवासियों को उनके अधिकार, तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितो के विधिक सेवा योजना की जानकारी दी। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक ने आमजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित नेशनल लोक अदालत, भरण-पोषण अधिनियम, नि:शुल्क विधिक सहायता, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नालसा पोर्टल एवं नालसा हेल्पलाईन नंबर, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवा योजना के साथ-साथ नालसा, सालसा एवं राज्य शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

शिविर में श्री मृदुल लटौरिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक आमजन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विस्थापित एकजुट होकर अपने हक की लड़ाई लड़ेंगे : बहादुर

सिंगरौली। स्थानीय ऊर्जांचल क्षेत्र में परियोजना प्रभावित के नाम पर परियोजना के ही भूमि पर अतिक्रमण कारी मूल विस्थापितों के हक पर कब्जा कर रहे हैं। जिससे परियोजना प्रभावित अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित होते जा रहे हैं।

उक्त बाते ऊर्जांचल विस्थापित कल्याण समिति के उपाध्यक्ष जंग बहादुर चौबे ने संगठन के साप्ताहिक बैठक के दौरान कहा कि मूल विस्थापित बेरोजगारी, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। वहीं परियोजना की खाली पड़ी भूमि पर अवैध कब्जाधारी परियोजना की भूमि बिजली पानी का दोहन कर रहे हैं। हद तो तब हो जाती है, जब अवैध कब्जाधारी अपने को परियोजना प्रभावित घोषित करते हुए परियोजनाओं में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी में झांसा देते हुए रोजगार प्राप्त कर लेते हैं। ऐसे बिचौलियों से सावधान रहने की जरूरत है। सभी मूल विस्थापित एक होकर संघर्ष करेंगे, तभी उनको अपना लक्ष्य प्राप्त होगा। बैठक में शैलेंद्र चौबे, योगेंद्र सिंह पटेल, बृज बिहारी यादव, पंकज शुक्ला रामलल्लू नेता सहित अन्य मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षाओं की गोपनीय सामग्री का वितरण 14 जून को

सीधी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025 की बोर्ड की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डी द्वितीय परीक्षाओं की गोपनीय सामग्री/प्रश्न पत्र का वितरण समन्वयक संस्था शा.उ.मा.वि. क्रमांक 02 सीधी से दिनांक 14.06.2025 को समस्त परीक्षा केन्द्रों को वितरण किया जाना है। उन्होंने परीक्षा केन्द्र के प्राचार्यो को निर्देशित किया है कि मजबूत पेटी, दो ताले एवं भृत्य के साथ वितरण स्थल समन्वयक संस्था शा.उ.मा.विद्यालय क्रमांक 02 सीधी में अनिवार्यत: 10:30 बजे दिनांक 14.06.2025 को उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

समर इन्टर्नशिप प्रोग्राम के तहत छात्र प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत

निर्मित आवासों तथा अन्य आवासों के मध्य संबंधों का करेंगे अध्ययन

सीधी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के सहयोग से "समर इन्टर्नशिप फॉर स्टूडेंट ऑफ बी.आर्च, एम.आर्च, बी.ई., बी.टेक, एण्ड सिविल इंजीनियरिंग का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत परियोजना अंतर्गत आरकीटेक्चर एण्ड इंजीनियरिंग के 02 छात्र प्रत्येक विकासखण्ड में 1 जून से 02 माह की इन्टर्नशिप करेंगे। इन छात्रों द्वारा जिले के समस्त जनपद पंचायतों के ग्रामों का भ्रमण कर निर्धारित जानकारी संकलित की जायेगी।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षु ब्लॉक के सभी गांवों का दौरा करेंगे और स्थानीय निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों की पहचान करेंगे, वे व्यवसायों, जलवायु, भूभाग, घरों के प्रकार, निर्माण सामग्री की समानता के आधार पर ब्लॉक के भीतर गांवों को शामिल करते हुए क्षेत्रों की पहचान और चित्रण करेंगे। एक ब्लॉक में 2 जोन या 5 जोन हो सकते हैं, जो इस बात पर आधारित होगा कि गांवों के चरित्र और निर्माण सामग्री में कितना अंतर है। गांवों की तस्वीरें, ग्राम पंचायत सूची और उपलब्ध कराए गए मानचित्र को 10 दिनों के भीतर ब्लॉक स्तरीय सर्वेक्षण के लिए गूगल फॉर्म पर अपलोड करना होगा। प्रत्येक जोन से प्रशिक्षु चयनित गांवों का दौरा करेंगे जहां पारंपरिक भवन निर्माण के सर्वोत्तम उदाहरणों की पहचान की गई है। उन्हें अपने द्वारा पहचाने गए प्रत्येक घर पर गूगल फॉर्म पर दो सर्वेक्षण करने होंगे जिसमें आवास टाइपोलॉजी और सामग्री सर्वेक्षण जिसमें वे भवन की तस्वीरें लेंगे और चित्र बनाएंगे और घर के सदस्यों से घर के बारे में पूछने के लिए घरेलू सर्वेक्षण, ये सर्वेक्षण घरेलू सर्वेक्षण के बाद किए जाएंगे और पारंपरिक घर निर्माण के लिए स्थानीय कारीगरों और कुशल श्रमिकों की उपलब्धता का भी दस्तावेजीकरण किया जाएगा।

सर्वोत्तम विविधता को दर्शाने के लिए पहचाने गए विभिन्न क्षेत्रों से चयनित प्रत्येक ब्लॉक में न्यूनतम 25 घरों का सर्वेक्षण किया जाना है तथा अधिकतम 50 घरों का सर्वेक्षण 45 दिनों में किया जाना है, तथा एकत्रित सभी डेटा को प्रशिक्षुओं को वितरित किए गए गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना है। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी नीलेश शर्मा, आवास प्रभारी जिला पंचायत ब्रह्मनंद पाण्डेय सहित समर इंटर्नशिप छात्र उपस्थित रहे।

सनातन धर्म प्रकृति का सच्चा उपासक : अनूप

सीधी। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रांत द्वारा विश्राम गृह सीधी में विश्व पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ अनूप मिश्रा, अध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान, विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता एवं पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रांत आशुतोष गुप्ता, अधिवक्ता प्रमोद कुमार मिश्र प्रदेश कार्य समिति सदस्य अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रांत, शासकीय अधिवक्ता श्रीमती श्रद्धा सिंह, अधिवक्ता श्रीमती निशा मिश्रा मंचासीन रहें। आए हुए अतिथियों द्वारा माँ भारती तस्वीर के समक्ष्य दीप प्रज्जवलित कर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अनूप मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म सदैव प्रकृति की उपासक रही है। हम सबको पर्यावरण संवर्धन की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण के संरक्षण में तन मन धन से भावी पीढियों के लिए पर्यावरण को संरक्षित करें एवं प्रकृति से जुडक़र तन मन धन स्वस्थ रखें। मुख्य वक्ता आशुतोष गुप्ता एड. ने कहा कि मानव आधुनिकीकरण की दौड़ में मानव भूमि, वायु, जल, ध्वनि, लाइट एवं रेडिएशन के बढ़ते हुए प्रदूषण से जूझ रहा है, इससे मानव जाति एवं प्रकृति को बहुत बड़ा खतरा है।

अधिवक्ता प्रमोद कुमार मिश्र प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि धरती हमारे लिए मातृ स्वरूपा है। जो भी हम इसमें बोते हैं, उसे ही पल्लवित.पोषित करके हमें पुन: दे देती है। अन्न, जल, औषधियां, फल.फूल, वस्त्र एवं आश्रय आदि सब हमने धरती मां सी ही मिलता है। इसलिए हम सब धरती माता के ऋणी हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को धरती माता को सजाने .संवारने का कार्य करना चाहिए साथ ही जैविक खेती की ओर कदम बढ़ाना चहिए।

कोई बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे : गजेन्द्र

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित

सिंगरौली। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश के अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्कफार्स समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

बैठक के प्रारंभ में टीकाकरण के प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि टीकाकरण कार्यक्रम एवं मिजेल्स रूबेल निरमूलन 0 डोजर बच्चे व्हीपीडी सर्विलांस के सफल क्रियान्वन एवं संचालन के लिए ग्रामीण क्षेत्रो एवं शहरी क्षेत्रो में अभियान चलाकर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप टीकाकरण से वंचित शत-प्रतिशत बच्चो का टीकारण कराया जाना सुनिश्चित किया जायें।

उन्होने निर्देश दिए कि संबंधित क्षेत्रो के आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं इस कार्य में संलग्न कर्मचारी आपस में समन्वय स्थापित कर छूटे हुये बच्चो के टीकारकण के लिए केन्द्र पर बच्चो का टीकारण कराया जाना सुनिश्चित करे। साथ ही झुग्गी झोपड़ी मलीन बस्ती, ईट भठ्ठो के कारखानो तथा घूमंतू आबादी एवं दुर्गम क्षेत्रो में भी भ्रमण कर टीकाकरण से छूटे 0 डोजर बच्चो का टीकारण कराया जाये एव आगामी बैठक में प्रगति की जानकारी भी दी जाये। बैठक के दौरान डीपीएम सुधाशु मिश्रा, महिला बाल विकास अधिकारी जीतेन्द्र गुप्ता, डॉ. शेखर शर्मा, डॉ. एचएस बैस, डॉ. बीसेन सिंह, अरविंद पटेल, किरण विजय सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

विधिक जागरूकता सह पौधरोपण शिविर का आयोजन

सीधी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में पंच ज के अंतर्गत पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से सुश्री सरिता चौधरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा दिनांक 09.06.2025 को वन स्टॉप सेंटर जिला सीधी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री सरिता चौधरी द्वारा उपस्थित लोगों को पंच-ज के तहत पौधरोपण का प्रचार किया गया। सुश्री चौधरी ने यह भी बताया कि पेड़ लगाना हमारे लिए कितना जरूरी है। पेड़ पौधे बढ़ते हुए प्रदूषण, तापमान को कम करते है। इसके साथ ही देखते आमजन को 1-1 पौधा लगाने हेतु प्रेरित किया तथा सुश्री चौधरी ने पौधरोपण किया। श्री मनीष कौशिक जिला विधिक सहायता अधिकारी ने उपस्थित आमजन को बाल विवाह निषेध अधिनियम, भरण-पोषण एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के साथ-साथ नालसा, सालसा एवं राज्य शासन की विधिक सहायता योजना, पीड़ित प्रतिकर योजना, लोकोपयोगी लोक अदालत, मध्यस्थता योजना की जानकारी दी गई। साथ ही पौधरोपण कर आमजन को जागरूक किया गया। शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री सरिता चौधरी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती मंजुला टिग्गा, काउंसलर्स सुश्री पुष्पलता शर्मा, श्रीमती अरूणिमा पाठक एवं वन स्टॉप सेंटर के अन्य कर्मचारीगण तथा पक्षकार उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में खरीफ फसलों की खेती के लिए किसानों को दी जा रही वैज्ञानिक सलाह

सीधी। सीधी जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान (29 मई से 12 जून 2025) के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) सीधी एवं कृषि अधिकारियों के द्वारा खरीफ फसलों की खेती के लिए किसानों को वैज्ञानिक सलाह दी जा रही है। पहले दल द्वारा सीधी विकासखंड में पनवार चौहान, बंजारी, बघवारी, दूसरे दल द्वारा सीधी विकासखंड में कमर्जी, पटपरा, पटेहराकला एवं तीसरे दल द्वारा मझौली में मड़वास, अमहिया तथा चंदोहीडोल में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

खरीफ फसलों की खेती के लिए वैज्ञानिक सलाह अत्यंत महत्वपूर्ण है ताकि उपज की मात्रा और गुणवत्ता में वृद्धि हो। खरीफ फसलें जैसे धान, मक्का, बाजरा, ज्वार, मूंगफली, और कपास, मुख्य रूप से मानसून के मौसम (जून से अक्टूबर) में बोई जाती हैं। सबसे पहले उन्नत और रोगरोधी बीजों का चयन करें, जो स्थानीय जलवायु और मिट्टी के अनुकूल हों। मिट्टी की उर्वरता जांच के आधार पर संतुलित उर्वरकों (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश) का उपयोग करें और जैविक खाद, जैसे कम्पोस्ट या वर्मीकम्पोस्ट, को प्राथमिकता दें। बीजों को बोने से पहले उपचारित करें ताकि कीटों और रोगों से बचाव हो। सिंचाई के लिए मानसून पर निर्भरता के साथ-साथ ड्रिप या स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करें, जो जल संरक्षण में सहायक हैं। खरपतवार नियंत्रण के लिए समय पर निराई-गुड़ाई करें या जैविक/ रासायनिक खरपतवार नाशकों का उचित उपयोग करें। कीट प्रबंधन के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीकों, जैसे फेरोमोन ट्रैप या जैविक कीटनाशकों का उपयोग करें। फसल चक्र अपनाएं ताकि मिट्टी की उर्वरता बनी रहे और रोगों का खतरा कम हो। अंत में, नियमित निगरानी और कृषि विशेषज्ञों की सलाह से फसल की पैदावार और गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत दिनांक 10.06.2025 को पहले दल द्वारा सीधी विकासखंड में चौफाल कोठार, चौफाल पवाई, खाम्ह, दूसरे दल द्वारा सीधी विकासखंड में पटेहराखुर्द, नेबुहा, गांधीग्राम एवं तीसरे दल द्वारा मझौली विकासखंड में दादर, पथरौला तथा गिजवार में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

संपादकीय

पाकिस्तान आतंकवादियों को पालने–पोसने में करता है बड़ी सहायता राशि का प्रयोग

हैरत की बात है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से बड़ी सहायता राशि मिलने के बाद अब एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भी पाकिस्तान को अस्सी करोड़ डालर की आर्थिक मदद की मंजूरी दे दी है। जबकि वह न तो वित्तीय संस्थाओं की शर्तों का पालन करता है और न ही वास्तव में आर्थिक सुधार के लिए कोई कदम उठाता है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत की चिंता स्वाभाविक है कि पाकिस्तान ने सहायता राशि विकास कार्यों में लगाने के बजाय उसका दुरुपयोग ही किया है।सच यह है कि नीति आधारित कर्ज का इतना बेजा इस्तेमाल दुनिया का शायद ही कोई देश करता हो। यह छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान सहायता राशि का इस्तेमाल अपनी फौजी प्राथमिकताओं को पूरा करने और आतंकवादियों को पालने-पोसने में करता आया है। ऐसे में भारत की आपत्ति की अनदेखी नहीं की जा सकती। यह निराशाजनक ही है कि आर्थिक सुधारों पर जोर देने के बजाय पाकिस्तान हमेशा अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में ही लगा रहा। उसने सीमा पार से जिस तरह से भारत के लिए चुनौती बढ़ाई है, उससे क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा पैदा हो गया है।पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही संकट में है। वित्त वर्ष 2023-24 में उसका कर संग्रह तेरह फीसद से घट कर 9.2 फीसद पर जा पहुंचा है। यह एशिया प्रशांत क्षेत्र के औसत 19 फीसद से काफी नीचे है। विचित्र बात है कि घटते कर और जीडीपी अनुपात के बावजूद वह अपना रक्षा खर्च लगातार बढ़ा रहा है। आज उसके वित्तीय संस्थान कुप्रबंधन के शिकार हैं। पाकिस्तान में शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदहाली किसी से छिपी नहीं।इसका खमियाजा वहां के नागरिक भोग रहेहैं। वैश्विक बाजार में उसे कई बार शंका की निगाह से देखा जाता है। विकास योजनाओं को लागू करने में पिछड़ने की सबसे बड़ी वजह सेना है। दरअसल, वह हर बार सहायता राशि का बड़ा हिस्सा सोख लेती है। सवाल है कि पैसा डूब जाने के जोखिम के बावजूद वैश्विक वित्तीय संस्थाएं पाकिस्तान की बार-बार मदद क्यों करती हैं। यह समझ से परे है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले किसी देश को इस स्तर पर जाकर सहायता करने के नतीजों का आकलन क्यों नहीं किया जाता !

समाज की परंपरागत प्रकृति निर्भर तत्व ने आर्थिक समाजवाद की अवधारणा को बिरसा के अंदर जागृम किया । गांधी से पहले गांधी की अवधारणा के तत्व के उभार के पीछे भी बिरसा का समाज एवं पड़ोस के सूक्ष्म अवलोकन एवं उसे नयी अतंर्दृष्टि देने का तत्व ही था । तभी तो उन्होंने गांधी के समान समस्याओं को देखा -सुना, फिर चिंतन-मनन किया । उन्होंने मुंडा समाज को पुनर्गठित करने का जो प्रयास किया, वह अंग्रेजी हुकूमत के लिये विकराल चुनौती बनी । नये बिरसाइत धर्म की स्थापना की तथा लोगों कों नई सोच दी, जिसका आधार सात्विकता, आध्यात्मिकता, परस्पर सहयोग, एकता व बंधुता था । समस्या के कारणों को ढूढ़ 'गोरों वापस जाओ' का नारा दिया एवं परंपरागत लोकतंत्र की स्थापना पर वल दिया, ताकि शोषणमुक्त 'आदिम साम्यवाद' की स्थापना हो सके ।

बिरसा मुंडा का उलगुलान और आदिवासियों के समक्ष वर्तमान की चुनौतियां

कुमार कृष्णान

धरती आबा बिरसा मुंडा का उलगुलान भूमि से लेकर धर्म सम्बन्धी तमाम समस्याओं के खिलाफ जनसंघर्ष था तथा उन समस्याओं के खिलाफ राजनीतिक समाधान का प्रयास भी। वह आदिवासी और खासकर मुंडा समाज की आंतरिक बुराईयों और कमजोरियों को दूर करने का सामूहिक अभियान भी था। समाज की परंपरागत प्रकृति निर्भर तत्व ने आर्थिक समाजवाद की अवधारणा को बिरसा के अंदर जागृम किया । गांधी से पहले गांधी की अवधारणा के तत्व के उभार के पीछे भी बिरसा का समाज एवं पड़ोस के सूक्ष्म अवलोकन एवं उसे नयी अतंर्दृष्टि देने का तत्व ही था। तभी तो उन्होंने गांधी के समान समस्याओं को देखा -सुना, फिर चिंतन-मनन किया। उन्होंने मुंडा समाज को पुनर्गठित करने का जो प्रयास किया, वह अंग्रेजी हुकूमत के लिये विकराल चुनौती बनी। नये बिरसाइत धर्म की स्थापना की तथा लोगों कों नई सोच दी, जिसका आधार सात्विकता, आध्यात्मिकता, परस्पर सहयोग, एकता व बंधुता था। समस्या के कारणों को ढूढ़ 'गोरों वापस जाओ' का नारा दिया एवं परंपरागत लोकतंत्र की स्थापना पर वल दिया, ताकि शोषणमुक्त ' आदिम साम्यवाद ' की स्थापना हो सके। उन्होंने कहा -'महारानी राज जाएगा एवं अबुआ राज आएगा। 1857 के गदर शांत होने के बाद सरदार आंदोलन संगठित जनांदोलन के रूप में शुरू हो गया। 1858 से भूमि आंदोलन के रूप में विकसित यह आंदोलन 1890 में राजनीतिक आंदोलन में तब्दील हो गया, जब बिरसा मुंडा ने इसकी कमान संभाली। बिरसा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के उलिहातु गांव में हुआ था। व्यक्तित्व निर्माण और तालीम ईसाई मिशनरियों के संरक्षण में हुई। स्कूली शिक्षा के दौरान बिरसा में विद्रोह के लक्षण प्रकट होने लगे। आदिवासियों में भूतकेता पहनाई आदि की परंपरा है। वे धार्मिक कृत्यों के लिये जमीन छोड़ते हैं। उस समय ईसाई पादरी उस जमीन पर मिशन का कब्जा करने की कोशिश करते थे। बिरसा ने इसकी शिनाख्त ईसाई मिशनरियों और गोरों की साजिशों के रूप में की और इसकी वेबाक ढंग से आलोचना की, जिस कारण वे स्कूल से निकाल दिये गये। इसके बाद वे सरदार आंदोलन में शमिल हो गये। ईसाई मिशन की सदस्यता छोड़ 1890-91 से करीब पांच साल तक वैष्णव संत आनंद पांड से हिन्दुओं के वैष्णव पंथ के आचार का ज्ञान प्राप्त किया और व्यक्तिक तथा सामाजिक जीवन पर धर्म के प्रभाव का मनन किया। परंपरागत धर्म की ओर उनकी वापसी हुई और उन्होंने धर्मोपदेश देना तथा धर्माचरण का पाठ पढ़ाना शुरू किया। ईसाई धर्म छोड़नेवाले सरदार बिरसा के अनुयायी बनने लगे। बिरसा का पंथ मुडा जनजातीय समाज के पुनर्जागरण का जरिया बना। उनका धार्मिक अभियान प्रकारांतर से आदिवासियों को अंग्रेजी हुकूमत और ईसाई मिशनरियों के विरोध में संगठित होकर आबाज बुलंद करने को प्ररित करने लगा। उस दौर उनकी लोकप्रियता इस कदर परवान चढ़ी कि उनके अनुयायी 'बिरसाइत' कहलाने लगे। उन्होंने सादा जीवन उच्च विचार अपनाने का उपदेश दिया और मुंडा समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और कुरितियों पर जमकर प्रहार किया । वह जनेउ, खड़ाउ और हल्दी रंग की धोती पहनने लगे। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है और वह है सिंगवोंगा। भूत-प्रेत की पूजा और बलि देना निरर्थक है। सार्थक जीवन के लिये सामिष भोजन अथवा मांस-मछली का त्याग करना जरूरी है। हड़िया पीना बंद करना होगा। बिरसा के लोकप्रिय व्यक्तित्व के कारण सरदार आंदोलन में नई जान आ गयी। अगस्त 1895 में वन सम्बन्धी बकाये की माफी का आंदोलन चला। उसका नेतृत्व बिरसा ने किया। धर्मिक आधारों पर एकजूट बिरसइतो का संगठन जुझारू सेना की तरह मैदान मे उतर गया। बकाये की माफी के लिये उन्होंने चाईवासा तक की यात्रा की तथा रैयतों को एकजुट किया। अंग्रेजी हुकूमत ने बिरसा की मांग को ठुकरा दिया। बिरसा ने भी ऐलान कर दिया कि -' सरकार खत्म हो गयी। अब जंगल जमीन पर आदिवासियों का राज होगा। 9 अगस्त 1895 को चलकद में पहली बार विरसा को गिरफ्तार किया गया लेकिन उनके अनुयायियों ने उन्हे छुड़ा लिया । 16 अगस्त 1895 को गिरफतार करने की योजना के साथ आये पुलिस वल को बिरसा के नेतृत्व में सुनियोजित ढ़ंग से घेरकर खदेड़ दिया। इससे बौखलाई अंग्रेजी हुकूमत ने 24 अगस्त 1895 को पुलिस अधीक्षक मेयर्स के नेतृत्व में पुलिस वल चलकद रवाना किया तथा रात के अंधेरे में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर यह आरोप लगाया गया कि लोगों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह करने के लिये उकसा रहे थे। मुंडा और कोल समाज ने बिरसाइतों के नेतृत्व में सरकार के साथ असहयोग करने का ऐलान कर दिया। व्यापक विरोध के कारण मुकदमा चलाने का स्थान रांची से बदलकर खूंटी कर दिया गया लेकिन विरोध के तेवर में फर्क नहीं पड़ने के कारण मुकदमें की कार्रवाई रोककर तुरंत जेल भेज दिया गया। भादवि की धारा 505 के तहत मुकदमा चला तथा उन्हें दो साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी। उन्हें रांची से हजारीबाग जेल भेज दिया गया।

1997 में झारखंड में भीषण अकाल पड़ा तथा चेचक की महामारी भी फैली। आदिवासी समाज बिरसा के नेतृत्व के अभाव में भी दमन-शोषण, अकाल तथा महामारी से एकसाथ जूझता रहा। 30 नवम्बर 1897 को बिरसा जेल से छूटे तथा चलकद लौटकर अकाल तथा महामारी से पीड़ित लोगों की सेवा में जुट गये। उनका यह कदम अपने अनुयायियों को संगठित करने का आधार बना। फरवरी 1898 में डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडारी क्षेत्र से आये मुंडाओं की सभा में उन्होंने आंदोलन की नई नीति की घोषणा की तथा खोये राज्य की वापसी के लिये धर्म तथा शांति का मार्ग अपनाने का आह्वान किया। उनके अभियान के तहत सामाजिक तथा सांस्कृतिक पक्ष को केन्द्र में रखकर आदिवासी समाज को मजबूत तथा संगठित करने का सिलसिला जारी रहा। 1889 के अंत में यह अभियान रंग लाया और अधिकार हासिल करने, खोये राज्य की प्राप्ति का लक्ष्य, जमीन को मालगुजारी से मुक्त करने तथा जंगल के अधिकार को वापस लेने के लिये व्यापक गोलवंदी शुरू हुई। कोलेबिरा, बानो लोहरदग्गा, तोरपा, कर्रा, बसिया, खूंटी, मुरहु, बुंडु, तमाड़, पोड़ाहाट, सोनाहातु आदि स्थानों पर बैठक हुई। 24 दिसम्बर 1899 को रांची के तोरपा, खूंटी, तमाड़ बसिया, आदि से लेकर सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर थाने तक में विद्रोह की आग भड़क उठी विद्रोह के दमन के लिये सिहभूम से रांची तक 500 बर्गमील क्षेत्र में सेना और पुलिस की कम्पनी बुलाकर बिरसा की गिरफ्तारी का अभियान तेज किया गया। सरदारों पर हमला करने और आंदोलन का साथ देनेवालो मुंडा- मानकियों को गिरफ्तार करने व आत्मसमर्पण न करनेवाले विद्रोहियों की घर -सम्पत्ति कुर्क करने की योजना को अमली जामा पहनाया जाने लगा। सरकार ने बिरसा की सूचना देनेवालों और गिरफ्तारी में मदद देनेवालों मुंडा या मानकी को पांच सौ रुपयें पुरस्कार देने का ऐलान किया। बावजूद इसके बिरसा को गिरफ्तार नहीं कर पायी। बिरसा ने आंदोलन की रणनीति बदली, साठ स्थानों पर संगठन के केन्द्र बने। डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडाओं की बैठक में 'उलगुलान ' का ऐलान किया गया। बिरसा के इस आंदोलन की तुलना आजादी के आंदोलन में बहुत बाद 1942 के अगस्त क्रांति के काल से की जा सकती है।

आरबीआई ने तो राहत दे दी, लेकिन क्या बैंक इसे लोगों तक पहुंचाएंगे?

(संतोष कुमार पाठक)

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक सहित सभी सरकारी एवं प्राइवेट बैंकों को होम लोन उपभोक्ताओं को बार-बार ब्रांच दौड़ाने और कागजी कार्यवाही में फंसाने की बजाय तुरंत ऑनलाइन ही राहत दे देनी चाहिए।

घरों की घटती बिक्री और अर्थव्यवस्था पर लगातार पड़ रहे दबाव के बीच भारतीय रिज़र्व बैंक ने बड़ा कदम उठाते हुए रेपो रेट में बंपर कटौती कर दी है। आर्थिक मामलों के जानकार, यह उम्मीद लगा रहे थे कि आरबीआई शुक्रवार को रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है लेकिन आरबीआई ने उम्मीद से ज्यादा राहत देते हुए इसमें आधा फीसदी की कटौती कर दी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस बड़े फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि बहुमत से यह फैसला किया गया है। रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती के बाद अब यह 5.50 फीसदी हो जाएगा। इसके साथ ही आरबीआई ने कैश रिज़र्व रेश्यो में एक प्रतिशत की कमी का भी ऐलान किया। इससे बैंकों के पास पैसा और बढ़ेगा, जिसका इस्तेमाल वे कर्ज बांटने में कर सकेंगे।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने लगातार तीसरी बार दरों में कटौती की है। आरबीआई ने फरवरी, अप्रैल और जून में यानी कुल मिलाकर रेपो रेट में तीन बार कटौती कर, इसमें 100 बेसिस पॉइंट्स घटा दिए हैं। रेपो रेट और कैश रिज़र्व रेश्यो में कटौती के आरबीआई के दोनों फैसलों को अगर साधारण भाषा में बताया जाए तो, इसका एकमात्र बड़ा उद्देश्य लोगों की जेबों तक ज्यादा से ज्यादा पैसा पहुंचाना है ताकि उनके पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त पैसा बचे। अगर लोगों के पास पैसे बचेंगे तो वे खर्च करेंगे, जिससे बाजार में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था की विकास दर भी बढ़ेगी। लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा जब बैंक पूरी ईमानदारी के साथ आरबीआई द्वारा की गई कटौतियों का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा पाएंगे।

आरबीआई द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती के बाद होम लोन लेने वाले लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। मोटे तौर पर अगर अनुमान लगाया जाए तो 20 लाख के लोन की ईएमआई में 600-715 रुपए तक की कटौती हो सकती है यानी एक साल में 8,400 और 20 वर्षों में कुल मिलाकर एक लाख 68 हजार रुपए के लगभग की बचत हो सकती है। वहीं 50 लाख तक के होम लोन की ईएमआई पर 1650-1755 रुपए तक की राहत मिल सकती है। अगर किसी ने 20 वर्षों के लिए इतनी राशि का होम लोन ले रखा होगा तो उसे 4 लाख रुपए से भी ज्यादा की बचत होगी।

जाहिर तौर पर होम लोन उपभोक्ताओं को इससे बड़ी राहत मिलेगी, बशर्ते बैंक कागजी कार्यवाही में किंतु-परंतु करने की बजाय सीधे उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाए। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, लगभग 40 फीसदी होम लोन श्वक्ष्क्क अर्थात एक्सटर्नल बेंचमार्क लैंडिंग रेट से जुड़े हैं और उन्हें इस कटौती का तत्काल लाभ मिल जाना चाहिए। बैंकों को ऐसे उपभोक्ताओं को तुरंत राहत दे देनी चाहिए। इसके साथ ही बैंकों को होम लोन लेने वाले उन उपभोक्ताओं को भी राहत पहुंचाने के लिए काम करना चाहिए जो श्वक्ष्क्कसे नहीं जुड़े हुए हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक सहित सभी सरकारी एवं प्राइवेट बैंकों को होम लोन उपभोक्ताओं को बार-बार ब्रांच दौड़ाने और कागजी कार्यवाही में फंसाने की बजाय तुरंत ऑनलाइन ही राहत दे देनी चाहिए। बैंकों खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कार्यशैली को देखते हुए, यह अपने आप में किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दावा किया है कि छ्रक्र अर्थात कैश रिज़र्व रेश्यो में एक फीसदी की कमी करने की वजह से बैंकिंग सिस्टम में 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त राशि का इंतजाम हो जाएगा। यह माना जा रहा है कि बैंक अगर इस अतिरिक्त राशि का इस्तेमाल कर्ज बांटने में सही तरीके से करेंगे तो देश की अर्थव्यवस्था में और ज्यादा तेजी आएगी।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इन कटौतियों की घोषणा करते हुए यह भी साफ किया कि ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए आरबीआई ने अपना काम कर दिया है और दूसरों को क्या करना चाहिए,यह सुझाव देना उनके लिए सही नहीं है। लेकिन यह भी समय की मांग है कि भारतीय रिज़र्व बैंक को देश के बैंकों पर निगरानी की व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने के साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके फैसलों को लाभ हर हाल में अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचे। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए यह बहुत जरूरी है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5757

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह योरप महाद्वीप में स्थित देश है इसे यूनान भी कहते है (2)
3. उत्तरप्रदेश का यह स्थल चूड़ी बनाने के कारखाने या कांच के उद्योग के कारण प्रसिद्ध है (5)
7. ऐसी घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
9. इस पहले टाउन कहा जाता था (3)
10. तीन घंटे का समय, याम (3)
11. गतिविधि, दुष्कर्म, संचलन (4)
12. ऐसी ही सही, अच्छा, कोई चिंता नहीं, देखा जाएगा (2)
14. हाथ, कर, बालिस्त, पाणि (2)
15. रवि, दिनकर, दिनपति, दिनकर (2)
16. अंग्रेजों के बारह महिनों में से एक (2)
17. फलित ज्योतिष की बारह राशियों में से एक, घड़ियाल (3)
19. नियुक्त करना, धरना, संग्रह करना (3)
21. लब्ध करना, प्राप्त करना (2)
22. हजरत मुहम्मद की यह छंदोबद्ध स्तुति है (2)
23. पितृपक्ष, श्राद्धपक्ष (4)

ऊपर से नीचे
1. गर्दन, शरीर का वह हिस्सा जो सिर व धड़ को जोड़ता है (2)
2. अभिभावक, संरक्षक (5)
3. चालाकी, चालबाजी, धूर्तता, प्रकृति (4)
4. प्राणरक्षा की विनती करना (4)
5. उद्यान, बगीचा, उपवन, वाटिका (2)
6. बांस की चटाई को यह भी कहते है (3)
8. जलाने वाला, दग्धक (3)
11. औचित्य की सीमा लांघना, अति कर देना (5)
13. प्रक्षालक, प्रक्षालनकर्मी (3)
16. घास-फूस को बटकर बनाई गई रस्सी, पुराना, प्राचीन (2)
18. हिफाजत किया हुआ, महफूज, रक्षा किया हुआ, पालित, पोषित (3)
20. पत्र, चिट्ठी (2)
21. पुनीत, पवित्र, निर्दोष, निर्मल (2)

वर्ग पहेली 5756 का हल

इ	ग्लै	ड		क	बी	र	
त		र	सि	क		सा	म
जा	ग	ना		ह	या	त	
म	म		प	रा		ल	घु
क	क	पि	ट		चा		ल
री		ता	ना	शा	ह		न
	द	म		य		का	शी
ग	वा	ह		द	म	क	ल

मां समान ही प्यार देना होगा

(अक्षय शुक्ला)

नेताओं, अधिकारियों ने पौधरोपण करते हुए तस्वीरें खिंचवाईं, हरियाली बढ़ने के कागज़ी दावे पेश कर पेड़ बचाने का संदेश दिया और इसके साथ ही पर्यावरण दिवस मनाने की औपचारिकताएं पूरी हो गईं। अब साल भर पेड़ों पर आरी चलती रहे, हरियाली खत्म कर कंक्रीट के जंगल खड़े करते रहें किसी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट का कभी डंडा पड़ा तो थोड़ी बहुत कार्रवाई करते हुए दिखाने की औपचारिकता निभा दी जाएगी।

अभी कुछ दिन पहले ही हमने ग्रेटर नोएडा का हाल बताया था, जहां सेक्टर और सड़क बनाने की राह में कई पुराने पेड़ आ रहे थे। बिना इजाज़त इन्हें काट तो सकते नहीं तो बीच का रास्ता निकाला गया। इन पेड़ों की जड़ों को इतना खोखला कर दिया गया कि कुछ दिनों में ये अपने आप ही सूख जाएं या ज़रा सी आंधी में टूट कर गिर जाएं।

कुछ जगहों पर तो पेड़ों के चारों तरफ 5 से 10 फुट की मिट्टी खोद दी गई, जिससे ये टीलेनुमा ढेर पर खड़े होकर बस अपने आखिरी दिन गिन रहे हैं। ज़िम्मेदारों से सवाल किया तो वही रटारटाया जवाब मिला कि ऐसा है तो कार्रवाई करेंगे।

यही हाल हरियाणा में अरावली की पहाड़ियों का है, जहां सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद धड़ल्ले से अवैध खनन जारी है। नूंह इलाके में तो खनन माफियाओं ने पूरी पहाड़ी ही खोद डाली और लाखों टन पत्थर निकालकर राजस्थान ले गए। सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचा तो उसने हरियाणा सरकार को कड़ी फटकार लगाई। हैरानी की बात यह है कि यह सब कोई चोरी-छुपे नहीं, खुलेआम हो रहा है। उसका पता इसी बात से चलता है कि माफियाओं ने सामान ले जाने के लिए इन पहाड़ियों में बाकायदा कई किलोमीटर लंबी सड़कें बना दी हैं। क्या यह सब सरकार को नहीं दिख रहा होगा?

यह बेरुखी ही हम पर भारी पड़ रही है, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली-एनसीआर वालों को भीषण गर्मी, धूल भरी आंधी और प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। अभी पूरी मई में हमने यही देखा। हर साल अप्रैल, मई में आंधी खतरनाक रूप दिखा रही है। अरावली की पहाड़ियों को खोखला करते जाने की वजह से ही यह हो रहा है।

और यह तब हो रहा है जब सरकार यहां से लेकर गुजरात तक करीब 700 किमी लंबी पर्वतमाला पर पेड़ों की ग्रीन वॉल बनाने के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। अफ्रीका की ग्रेट ग्रीन वॉल से प्रेरित इस प्रोजेक्ट में 5 किमी चौड़ी हरियाली की दीवार खड़ी की जाएगी जो थार रेगिस्तान से उड़ने वाली धूल और गर्म हवाओं को दिल्ली आने से रोकेगी।

लेकिन यह तभी संभव होगा, जब अरावली को सपाट करने वालों पर सख्ती हो और साल में एक दिन चिंता करने के बजाय लगातार काम किया जाए। देश में ऐसे बहुत से लोग हैं, जो लाइमलाइट से दूर निस्वार्थ भाव से यह काम कर भी रहे हैं। अकेले दम पर कई एकड़ जंगल खड़े कर देने वाले पर्यावरण के ये पहरेदार साफ संदेश देते हैं कि मां के नाम पेड़ लगा रहे हैं तो उन्हें मां समान ही प्यार भी देना होगा।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज धन संबंधित कार्यों में कुछ रुकावटें आ सकती हैं। लेन-देन में सावधानी जरूरी है, खासकर अगर आप थोक व्यापार या कच्चे माल से जुड़े व्यवसाय में हैं। कोई बड़ा भुगतान अटक सकता है, जिससे आपकी पूंजी प्रभावित होगी। नौकरीपेशा लोगों को ट्रांसफर या विभागीय बदलाव की सूचना मिल सकती है।

वृष
आज दिन व्यावसायिक दृष्टि से सकारात्मक रहेगा। कोई पुराना प्रॉजेक्ट दोबारा एक्टिव हो सकता है। ब्रोकर, वकील, एजेंट, और शेयर बाजार से जुड़े लोग अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। साझेदारी में मनमुटाव की संभावना है, पर समझदारी से काम लेंगे तो रिश्ता भी बचेगा और धन भी। नौकरी में प्रमोशन की चर्चा संभव है या नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन
आज निवेश संबंधी निर्णयों में सतर्कता बरतनी चाहिए। शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड या क्रिप्टो जैसे क्षेत्रों में रिस्क है। बेरोजगार युवाओं को इंटरव्यू कॉल या नौकरी का ऑफर आ सकता है, लेकिन निर्णय जल्दबाजी में न लें। फ्रीलांसर और कंसल्टेंट्स के लिए दिन व्यस्त रहेगा, पर आय में वृद्धि की संभावना भी बनी रहेगी।

कर्क
आज किसी पुराने प्रॉजेक्ट से अचानक आर्थिक लाभ मिल सकता है। व्यापारी वर्ग को नया ऑर्डर या टेंडर मिलने की संभावना है, विशेषकर निर्माण या फैक्ट्री से जुड़े लोगों को। ऑफिस में टीमवर्क पर फोकस करें। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े जातकों को नई डील या क्लाइंट मिल सकता है।

सिंह
आज लाभ के योग हैं और आपके यात्रा संबंधी खर्चों में वृद्धि हो सकती है, विशेषकर व्यवसायिक यात्राएं। होटल, पर्यटन, इवेंट या मीडिया इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के लिए दिन भाग्यशाली है। किसी अधूरे प्रॉजेक्ट को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी होगी। सेल्स टारगेट वाले क्षेत्रों में कार्यरत जातकों को अच्छे नतीजे मिल सकते हैं।

कन्या
आज दिन भागदौड़ और प्रयास का है। सूर्य की स्थिति के कारण सरकारी या प्रशासनिक मामलों में थोड़ी रुकावट आ सकती है, परंतु दिन के अंत में प्रयास सफल होंगे। आपके द्वारा किए गए सौदे भविष्य में बड़े अनुबंध का रूप ले सकते हैं।

तुला
आज दिन मानसिक अशांति और आंतरिक संघर्ष का है। शुक्र की स्थिति के कारण आप आर्थिक रूप से थोड़ा असंतुलित अनुभव कर सकते हैं। विरोधी आपकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं, अतः विवेक और साहस से काम लें। व्यवसाय में किसी पुराने ग्राहक से तनाव हो सकता है।

वृश्चिक
आज मंगलमय समाचार मिलने की संभावना है। व्यापार में तनावपूर्ण स्थितियों से राहत मिलेगी और नई योजना लाभदायक सिद्ध होगी। पुराने कानूनी मामलों या बकाया धन की प्राप्ति से मानसिक शांति मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को ऑफिस में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु
आज दिन नई संभावनाओं और संपर्कों से भरपूर रहेगा। यदि आप किसी बड़े क्लाइंट से डील फाइनल करना चाहते हैं तो यह समय अनुकूल है। अतीत में किए गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा युवा उद्यमियों के लिए नेटवर्किंग और एक्सपोजर का दिन है। सामाजिक स्तर पर भी आपकी उपस्थिति मजबूत होगी।

मकर
आज दिन सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों से युक्त रहेगा, जिससे मन को शांति और नए अवसर प्राप्त होंगे। ग्रहों की चाल आपकी आर्थिक उन्नति में सहायक है, विशेषकर यदि आप रियल एस्टेट, फार्मा या ट्रेडिंग से जुड़े हैं। क्रय-विक्रय में लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए ट्रांसफर या नई पोस्टिंग के योग हैं।

कुंभ
आज जातकों के लिए दिन बड़े अवसरों का है। यदि आप आयात-निर्यात, कंसल्टेंसी या टेक्नोलॉजी आधारित व्यवसाय में हैं, तो बड़ा कदम उठाया जा सकता है। ऑफिस में आपकी निर्णय लेने की क्षमता की प्रशंसा होगी। उच्चाधिकारी आपकी कार्यशैली से प्रसन्न होंगे। आध्यात्मिक रुझान भी बढ़ेगा, जिससे मानसिक स्थिरता मिलेगी।

मीन
आज दिन आंतरिक जागरुकता और करियर विस्तार का है। बृहस्पति की स्थिति से शिक्षा, प्रशिक्षण, और गहराई से ज्ञान प्राप्ति के अवसर मिलेंगे। विवादों का अंत होगा और गुप्त शत्रुओं से सावधान रहना होगा। किसी भी बड़े आर्थिक सौदे में सावधानी बरतें। खासकर उधार देने से बचें। नौकरी में वरिष्ठों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

संक्षिप्त समाचार

एसी को लेकर दुल्हन का पारा हुआ हाई, ऐन फेरों से पहले किया बवाल, बिन शादी घर लौटी

आगरा, एजेंसी। आगरा के शमसाबाद कस्बे के मैरिज होम के कमरे में एसी नहीं लगा होने से इस भीषण गर्मी में दुल्हन का पारा हाई हो गया। उसने शादी करने से मना कर दिया। वर और वधू पक्ष में हड़कंप मच गया। समझौते के प्रयास किए गए। लेकिन सफलता नहीं मिली। बगैर शादी किए दुल्हन अपने घर चली गई। मामला थाना शमसाबाद क्षेत्र का है, जहां शनिवार को फिरोजाबाद से आई एक युवती की शादी शमसाबाद के एक गांव के युवक से तय थी। वर पक्ष ने कस्बे के एक मैरिज होम में शादी समारोह की व्यवस्था की थी। दुल्हन पक्ष विवाह स्थल पर कुछ विलंब से पहुंचा। जब दुल्हन को ठहराया गया, उस कमरे में एसी नहीं था और पंखा भी बहुत धीमी गति से चल रहा था। भीषण गर्मी में दुल्हन का पारा चढ़ गया। उसने तत्काल अपने परिजनों को स्थिति की जानकारी दी और वर पक्ष से एसी की व्यवस्था की मांग की। इस पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि इस दौरान दूल्हे ने आवेश में आकर दुल्हन और उसके परिजनों के प्रति अपशब्द कह दिए। यह सुनते ही दुल्हन ने शादी से साफ इनकार कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख रिश्तेदारों और बड़े-बुजुर्गों ने काफी प्रयास किए, लेकिन दुल्हन अपने फैसले पर अडिग रही। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। देर रात तक समझौते की कोशिशें जारी रहीं, लेकिन कोई हल नहीं निकला। रविवार सुबह दुल्हन अपने परिजनों के साथ बिना शादी किए लौट गई। दुल्हन की मां ने थाने में शिकायत पत्र देकर दहेज में अधिक मांग का आरोप भी लगाया है। थाना प्रभारी निरीक्षक हंसराज भदौरिया ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। यह मामला दिखाता है कि कैसे छोटी-छोटी लापरवाहियां और अपमानजनक व्यवहार एक पवित्र रिश्ते को बनने से पहले ही तोड़ सकते हैं।

जो भी पार्टी महाराष्ट्र और मराठी मानुष के हित में काम कर रही है, शिवसेना उसके साथ गठबंधन कर सकती है: आदित्य ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में इस वक्त राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी के बीच में गठबंधन होने की चर्चा जोरों पर है। इसी बीच उद्धव के बेटे और शिवसेना उद्धव गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा है कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र और मराठी मानुष के हितों की रक्षा के लिए काम करने वाले किसी भी दल के साथ गठबंधन में आने के लिए तैयार है। सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर होते हुए आदित्य ने कहा कि भाजपा पर मुंबई और महाराष्ट्र को निगलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा की भाजपा सरकार लगातार राज्य के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा , हम लगातार यह बात कहते आ रहे हैं। हम किसी भी व्यक्ति या दल के साथ काम करने को तैयार हैं, जो महाराष्ट्र और मराठी मानुष के हित में काम करने को तैयार हो। मनसे और शिवसेना (उबाठा) के संभावित गठबंधन पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, बदलाव लाना हमारी जिम्मेदारी है। जो भी पार्टी महाराष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए काम कर रही है, उसे एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। आपको बता दें कि इस वक्त बाल साहेब ठाकरे के बेटे और भतीजे की पार्टियों के बीच में गठबंधन की चर्चा जोरों पर है। दोनों ही पार्टियों के नेताओं ने भले ही खुले तौर पर कुछ नहीं बोला हो लेकिन संकेत गठबंधन के ही दिए हैं। राज ठाकरे के बेटे ने गठबंधन के सवाल पर कहा कि कोई भी गठबंधन मीडिया या बयानों के माध्यम से नहीं किया जाता है.. अगर गठबंधन होना है तो नेता आपस में मिल सकते हैं। इसके जवाब में उद्धव ठाकरे ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि अब गठबंधन के सवाल पर कोई संदेश नहीं दिया जाएगा, बल्कि एक सीधी बड़ी खबर दी जाएगी।

बेंगलुरु भगदड़ केस में सीएम सिद्धारमैया की अजीब दलील- मुझे दो घंटे देरी से मौत का पता लगा, नया बवाल

बेंगलुरु, एजेंसी। आईपीएल के 18 साल के इतिहास में पहली बार जीत दर्ज करने वाली आरसीबी टीम का बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न मनाया जा रहा था। स्टेडियम के बाहर हुजूम इतना पहुंच गया कि भगदड़ मच गई और 11 लोगों की जान चली गई। 56 से अधिक लोग घायल भी हुए। इस घटना को लेकर कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ऐक्शन ले चुकी है। अब उनका मामले में अजीबो-गरीब बयान आया है। सिद्धारमैया का कहना है कि उन्हें घटना की जानकारी शाम 5 बजकर 45 मिनट पर मिली। यह बयान इसलिए भी हैरान करने वाला है, क्योंकि इससे दो घंटे पहले 3: 50 मिनट तक अस्पतालों में मौतें दर्ज हो चुकी थी। उनके इस बयान ने राज्य में नया राजनीतिक बवाल पैदा कर दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने रविवार को दावा किया कि उन्हें 4 जून की शाम 5: 45 बजे ही इस घटना की जानकारी मिली, जबकि अस्पताल में 3: 50 बजे तक मौतें दर्ज हो चुकी थीं। सीएम ने मीडिया से बातचीत में कहा, मैंने तुरंत कार्रवाई की है, जिनकी गलती थी उन पर कदम उठाए हैं। सीएम ने यह भी कहा कि उनका आयोजन से कोई लेना-देना नहीं था और उन्हें क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आमंत्रित किया गया था। कहा, घटना स्टेडियम के पास हुई। न मैंने आयोजन किया, न योजना बनाई थी। यह सिर्फ एक औपचारिक आमंत्रण था।

हिमाचल में चीन सीमा से सटे इलाके निहार सकेंगे लोग

पर्यटकों को लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिलों की अनछुई सुंदरता और वहां की जनजातीय संस्कृति से परिचित कराएगी राज्य सरकार

शिमला, एजेंसी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हिमाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री अपने आगामी दो दिवसीय किन्नौर दौरे के दौरान भारत-चीन सीमा से सटे शिप्की-ला गांव से 'सीमा पर्यटन' (बॉर्डर टूरिज्म) पहल की शुरुआत करेंगे। यह कवायद देशभर के पर्यटकों को लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिलों की अनछुई सुंदरता और वहां की जनजातीय संस्कृति से परिचित कराएगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि यह ऐतिहासिक पहल हिमाचल के सीमावर्ती क्षेत्रों जैसे शिप्की-ला, लेपचला, ग्यू मठ, खाना दुमटी, सांगला, रानी कंडा, छितकुल और लाहौल-स्पीति के चयनित इलाकों तक आम पर्यटकों के आवागमन की दिशा में बड़ा कदम है। इससे इन दूरस्थ इलाकों की सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति की अद्भुत छटा देश-दुनिया तक पहुंच सकेगी। प्रवक्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पहल पर राज्य सरकार ने लगातार केंद्र सरकार के समक्ष यह मांग उठाई थी कि पर्यटन को सीमांत इलाकों तक ले जाया जाए। वर्षों की इस कोशिश का अब सकारात्मक नतीजा सामने आ रहा है। यह पहल जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन और विकास के नए रास्ते खोलने जा रही है। अब तक इन संवेदनशील इलाकों में विशेष अनुमति के बिना जाना मुमकिन नहीं था, लेकिन नई व्यवस्था के तहत यह प्रक्रिया आसान कर दी गई है। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, अब स्थानीय लोग और प्रमाणित पर्यटक वैध पहचान पत्र दिखाकर इन क्षेत्रों में जा सकेंगे। सीमा की सुरक्षा में तैनात आईटीबीपी और सेना, तय प्रोटोकॉल के तहत आवागमन को सुरक्षित और सुगम बनाएंगी। प्रवक्ता के मुताबिक, इस पहल का मकसद पर्यटन के जरिए सीमावर्ती क्षेत्रों में आजीविका के अवसर बढ़ाना, वहां की बुनियादी संरचना को मजबूत करना और स्थानीय लोगों को मुख्यधारा से जोड़ना है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि इन क्षेत्रों की विशिष्ट जनजातीय संस्कृति और पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुंचे। प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू का यह कदम राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में परिवर्तनकारी साबित होगा। इससे राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूती मिलेगी और सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को भी विकास की रोशनी तक पहुंच मिलेगी। उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश का किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिला चीन के साथ लगभग 240 किलोमीटर की सीमा साझा करता है। इनमें लाहौल के चुमार क्षेत्र में 80 किमी और किन्नौर के डरोती से लेकर मुमरी डोगरी तक का 160 किमी क्षेत्र शामिल है, जो रणनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आंध्र प्रदेश के सीएम चाहते हैं बड़े परिवार, ज्यादा बच्चे पैदा करने पर रुपये देगी सरकार

हैदराबाद, एजेंसी। दक्षिण भारतीय राज्य आंध्र प्रदेश में प्रजनन दर को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। राज्य के मुख्यमंत्री अब बड़े परिवारों को आर्थिक सहयोग देने पर विचार कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में ऐसे संकेत दिए हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक ऐलान होना अभी बाकी है। खास बात है कि आंध्र प्रदेश में पहले 2 से ज्यादा बच्चे वालों को पंचायत और निकाय चुनाव लड़ने से रोकने के लिए कानून तक में संशोधन किया जा चुका है खबर है कि राज्य सरकार घटती प्रजनन दर से निपटने के लिए यह कदम उठा सकता है। टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री नायडू ने कहा, मैं परिवार को एक इकाई के रूप में मानकर आर्थिक प्रोत्साहन देने पर विचार कर रहा हूं। बड़े परिवार को बड़ा प्रोत्साहन दिया जा सकता है। उनका कहना है कि दक्षिण के राज्यों की मौजूदा जनसांख्यिकी पर राज्य सरकारों को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, शून्य गरीबी पहल के तहत मैंने पहले ही एक दिलचस्प मॉडल शुरू किया है, जिसमें अमीर लोग गरीब परिवारों को गोद लेंगे। इससे ना सिर्फ आय में अंतर खत्म होगा, बल्कि पूरे परिवार का कल्याण भी सुनिश्चित हो सकेगा। राज्य के सीएम प्रजनन दर को लेकर खासे चिंतित हैं। उन्होंने अखबार को बताया कि आंध्र प्रदेश में प्रजनन दर को बढ़ाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा दर पर राज्य में गंभीर समस्याएं होंगी...। इसलिए मैं बड़े परिवारों पर विचार कर रहा हूं। उन्होंने हाल ही में यह भी ऐलान किया है कि महिला कर्मचारी कितनी भी बार मेटरनिटी लीव यानी मातृत्व अवकाश ले सकेंगी।

और भी ऐलान कर चुकी है राज्य सरकार राज्य सरकार संगठनों के लिए पहले ही घोषणा कर चुकी है कि कार्यस्थल पर चाइल्डकेयर सेंटर अनिवार्य हैं और सीएम नायडू स्कूल जाने वाले हर बच्चे को 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की बात कर चुके हैं। उन्होंने कहा था, हम यह राशि सीधे छात्रों की माताओं को देंगे। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार जोड़ों को ज्यादा बच्चे करने के लिए आर्थिक सहयोग देने पर विचार कर रही है।

लुधियाना उपचुनावः आप के लिए बना राजनीतिक प्रतिष्ठा की लड़ाई

लुधियाना, एजेंसी। पंजाब में लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट पर होने वाला उपचुनाव अब आम आदमी पार्टी (आप) के लिए केवल एक चुनाव नहीं, बल्कि एक राजनीतिक प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका है। 19 जून को होने वाले इस उपचुनाव में पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है ताकि संजीव अरोड़ा को जिताया जा सके। इसका डायरेक्ट कनेक्शन आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से है, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि अगर संजीव अरोड़ा जीतते हैं तो उन्हें इस सीट से इस्तीफा देना होगा। इसके बाद अरविंद केजरीवाल उनकी जगह राज्यसभा जाएंगे। विधानसभा में 117 में से 94 सीटें आम आदमी पार्टी के पास हैं। इसके बावजूद यह सीट आप के लिए जरूरी है क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनावों में हार के बाद पार्टी को संगठन में नई ऊर्जा देने के लिए इस जीत की जरूरत है। ऐसे में लुधियाना वेस्ट उपचुनाव पार्टी के लिए 'करो या मरो' की स्थिति बन गया है। संजीव अरोड़ा की जीत सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली से लेकर पंजाब तक का पूरा आप नेतृत्व लुधियाना में डेरा डाले हुए है। मुख्यमंत्री भगवंत मान, पंजाब प्रमुख अमन अरोड़ा, आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के साथ-साथ खुद अरविंद केजरीवाल भी आक्रामक प्रचार में जुटे हुए हैं।

शिवसेना नेता की हत्या के पांच महीने बाद आरोपी भाई गिरफ्तार, खदान में मिला था शव

पालघर, एजेंसी। पालघर के शिवसेना नेता अशोक धोडी के अपहरण और हत्या के बाद करीब पांच महीने से फरार आरोपी उनके भाई अविनाश धोडी को रविवार को तड़के सिलवासा से गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पालघर के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने बताया कि 60 वर्षीय आरोपी को एक गुप्त सूचना के आधार पर मोरखल से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी को मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि अविनाश की गिरफ्तारी के साथ, जनवरी में हुए अपराध के सिलसिले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर छह हो गई, जबकि तीन अन्य अब भी फरार हैं। अशोक धोडी (52) का शव उनके लापता होने के चार दिन बाद 23 जनवरी को पड़ोसी राज्य गुजरात में उनकी कार के साथ पानी से भरी खदान में मिला था। देशमुख ने कहा कि अविनाश धोडी अपने भाई अशोक धोडी से नाराज़ था क्योंकि अशोक ने वेवजी ग्राम पंचायत में एक आवेदन देकर उसके घर का पट्टा रद्द करवा दिया था। इसके बाद अविनाश को घर खाली करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 19 जनवरी को जब अशोक धोडी दहानू से अपने घर जा रहे थे, तो आरोपी और उसके साथियों ने वेवजी घाट पर उसकी कार रोकी और उसका अपहरण कर लिया। अधिकारी ने बताया कि

आरोपियों ने बाद में अशोक धोडी की हत्या कर दी और उनके शव और कार को गुजरात के सरीगाम वाडिया पाड़ा में पानी से भरी खदान में धकेल दिया। अधिकारी ने बताया कि घोलवड़ पुलिस थाने में 27 जनवरी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 140 (3), 140 (1) (हत्या या फिरौती के लिए अपहरण), 351 (2) (आपराधिक धमकी), 103 (1) (हत्या) और 238 (ए) (अपहरण) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि एक विशेष टीम गठित की गई और घोलवड़, उमरगांव, वापी (गुजरात), दीव दमन, सिलवासा, इंदौर और राजस्थान में तलाशी ली गई। देशमुख ने खुलासा किया कि अविनाश धोडी को उसके भाई के लापता होने के तुरंत बाद पालघर जिले में घोलवड़ पुलिस ने हिरासत में ले लिया था, लेकिन वह पुलिस हिरासत से भागने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा चूक के लिए एक पुलिस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है और आठ अन्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जबकि घोलवड़ पुलिस थाना के तत्कालीन प्रभारी का तबादला कर दिया गया था।

मुस्लिमों को 'कठमुल्ला' कहने वाले जस्टिस शेखर यादव खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने रोक दी जांच

इलाहाबाद, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ इस साल शुरू की जानी वाली आंतरिक जांच की प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि मुस्लिमों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने और 'देश को बहुसंख्यकों के हिसाब से ही चलना चाहिए', जैसे बयान देकर विवादों में घिरे जस्टिस शेखर यादव की जांच को लेकर राज्यसभा ने सुप्रीम कोर्ट को एक पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि राज्यसभा इस मामले पर जांच करने के लिए विशेष अधिकार रखता है। बता दें कि जस्टिस शेखर यादव ने बीते साल दिसंबर में विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में मुस्लिमों पर विवादित बयान दिया था। जानकारी के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट शेखर कुमार यादव के विवादास्पद भाषण की इन-हाउस जांच शुरू करने की तैयारी कर रहा था। मामले से परिचित लोगों ने पुष्टि की कि तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की रिपोर्ट के मद्देनजर जज के आचरण

की जांच करने के लिए प्रक्रिया शुरू की थी। हालांकि मार्च में राज्यसभा सचिवालय से मिली चिट्ठी के बाद इस जांच को रोक दिया गया था। राज्यसभा की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया था कि ऐसी किसी भी कार्यवाही के लिए संवैधानिक अधिकार पूरी तरह से राज्यसभा के सभापति के पास है और इसीलिए संसद और राष्ट्रपति ही इस पर निर्णय लेंगे। इस पत्र के बाद न्यायपालिका ने इन-हाउस जांच शुरू करने की योजना को रद्द कर दिया। जगदीप धनखड़ ने दिए थे निर्देश बता दें कि इससे पहले राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बीते फरवरी में बताया था कि उन्हें 13 दिसंबर 2024 को एक नोटिस प्राप्त हुआ था जिसमें राज्यसभा के 55 सदस्यों के हस्ताक्षर थे। इसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव को संविधान के अनुच्छेद 124 (4) के तहत पद से हटाने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा था कि यह विषय केवल राज्यसभा के सभापति के अधिकार क्षेत्र में आता है और अंतिम निर्णय संसद और राष्ट्रपति द्वारा ही लिया जाएगा।

जो हम से बन पड़ा ए वतन हमने किया, सच सारी दुनिया ने जान लियाः शशि थरूर

नईदिल्ली, एजेंसी। शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को अमेरिका दौरा समाप्त किया। उन्होंने इस लंबे दौरे को एक कविता के जरिए समाप्त किया है। उन्होंने लिखा है कि अब दुनिया ने सच जान लिया है। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर का आगाज किया था, जिसके तहत पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लांडाउ समेत कई राजनयिक एवं राजनीतिक नेताओं से मुलाकात कर पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति को रेखांकित किया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की संपर्क पहल के तहत अमेरिका पहुंचा था। इस मौके पर थरूर ने पोस्ट किया, सौ बार जन्म लेंगे तो सौ बार करेंगे, जी भर के अपने वतन से प्यार करेंगे, जो हम से बन पड़ा, अ वतन हमने किया है जो सच था, सारी दुनिया ने अब जान लिया है। उन्होंने आगे लिखा, समस्त सदस्यों की तरफ से मातृभूमि का और देश विदेश में हिंदुस्तान प्रेमियों का बहुत-बहुत आभार जिन्होंने कान खोल कर सुना और दिल खोल कर स्वीकार किया के हम अहिंसा प्रेमी हैं मगर तब तक,

जब तक कोई ... जय हिंद! यह प्रतिनिधिमंडल उन सात सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक था जिन्हें 33 वैश्विक राजधानियों में भेजा गया था, ताकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान की आतंकवाद में संलिप्तता के बारे में अवगत कराया जा सके। प्रतिनिधिमंडल तीन जून को अमेरिकी राजधानी वॉशिंगटन पहुंचा और तीन दिनों के दौरान 'कैपिटल हिल' में अमेरिकी सांसदों, विदेश नीति विशेषज्ञों, विचारक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, मीडिया एवं प्रवासी भारतीय समुदाय से मुलाकात की। थरूर ने व्हाइट हाउस में अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस से हुई लगभग 25 मिनट की मुलाकात को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, वेंस ने पहलगाम हमले को लेकर आक्रोश और 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत की संयमित प्रतिक्रिया के प्रति समर्थन जताया।

रेलवे का नया नियमः अब स्लीपर से सीधे एसी सेकेंड में मिल जाएगी बर्थ

आगरा, एजेंसी। रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। अब स्लीपर क्लास का वेटिंग टिकट चार्ट बनने के बाद सीट खाली होने पर सीधे सेकेंड एसी तक अपग्रेड हो सकेगा। अब तक यह सुविधा केवल थर्ड एसी तक सीमित थी। चेयरकार में भी टिकट अपग्रेड की सुविधा लागू कर दी गई है। रेलवे बोर्ड के निदेशक (पैसेंजर मार्केटिंग) संजय मनोचा ने 13 मई को सभी क्षेत्रीय रेलवे को पत्र भेजकर नए नियम की जानकारी दी है। उन्होंने क्रिस को सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव के निर्देश भी दिए हैं। अब यदि कुर्सीयान (सेकेंड सिटिंग) का टिकट है और एसी चेयरकार में सीट खाली है तो वह वहीं अपग्रेड हो जाएगा। यही नहीं, एसी चेयरकार का टिकट भी एग्जीक्यूटिव क्लास में बदला जा सकेगा। नई व्यवस्था के तहत यात्री बिना अतिरिक्त शुल्क हायर क्लास में यात्रा कर सकेंगे। पहले तक केवल थर्ड एसी तक अपग्रेडेशन होता था, लेकिन अब स्लीपर से सेकेंड एसी, सेकेंड सिटिंग से एसी चेयरकार और चेयरकार से एग्जीक्यूटिव क्लास तक टिकट अपग्रेड होंगे। इसी तरह, सेकेंड एसी क्लास के टिकट को भी

फर्स्ट एसी में बदला जा सकेगा, यदि सीट उपलब्ध हो। इससे खाली सीटों का बेहतर उपयोग होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधा भी मिलेगी।

2006 से लागू है रेलवे की ऑटो अपग्रेडेशन सुविधा: भारतीय रेलवे ने टिकट अपग्रेडेशन की सुविधा वर्ष 2006 में शुरू की थी। इसके तहत यदि किसी यात्री का स्लीपर क्लास का टिकट कंफर्म नहीं होता और चार्ट तैयार होने के बाद सीटें खाली रहती हैं, तो टिकट स्वतः थर्ड एसी में अपग्रेड हो जाता है। यात्रियों को इस सुविधा के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता।

हालांकि, इसका लाभ तभी मिलेगा जब टिकट बुकिंग के समय आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 'ऑटो अपग्रेड' का विकल्प चुना गया हो। यदि यात्री यह विकल्प नहीं चुनता है, तो उसका टिकट अपग्रेड नहीं होगा। अपग्रेडेशन के बाद यदि कोई यात्री टिकट निरस्त कराना चाहता है, तो उसे वही रिफंड मिलेगा जो मूल श्रेणी के टिकट की बुकिंग राशि के अनुसार तय होता है। यह सुविधा यात्रियों को कम खर्च में बेहतर श्रेणी में यात्रा का अवसर देती है।

बुमराह ने सर्जरी से पहले बढ़ाया था कैमरून ग्रीन का हौसला

लंदन, एजेंसी। कैमरून ग्रीन की पीठ की सर्जरी की पूर्व संध्या पर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक ' विशेष संदेश ने ऑस्ट्रेलिया के इस हरफनमौला को सर्जरी करवाने के उनके फैसले को लेकर आश्वस्त कर दिया। ग्रीन को पिछले साल ' स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ था। यह चोट हालांकि 9 से 12 महीनों में स्वाभाविक रूप से ठीक हो सकती थी, लेकिन उन्होंने अक्टूबर में सर्जरी करवाने का फैसला किया। ग्रीन ने कहा, ' जसप्रीत बुमराह ने सर्जरी करवाने से एक रात पहले मुझसे संपर्क किया था। वह उस समय भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट मैच खेल रहे थे। ऐसी कुछ चीजें वाकई बहुत खास होती हैं और आपको इससे बहुत अच्छा महसूस होता है। उनके जैसे किसी व्यक्ति का साथ मिलना और फिर उन्हें ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन करते देख कर मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है। ग्रीन 2023 आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। उस समय बुमराह सर्जरी से उबरने के लिए टीम से बाहर थे। वह इस सर्जरी के कारण 2022 टी20 विश्व कप खेलने से भी चूक गए थे। उन्होंने हालांकि सर्जरी के बाद शानदार वापसी की और भारत को 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के बाद पिछले साल टी20 विश्व कप चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया। बुमराह इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पांच मैचों में 32 विकेट लेकर श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। 26 साल के ग्रीन को जेसन बेहरेनडॉर्फ इसी तरह की सर्जरी से गुजरने वाले अन्य गेंदबाजों से भी उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। ग्रीन ने बताया, ' (ऑपरेशन का) मुख्य कारण हड्डी के कुछ अतिरिक्त भाग को अलग करना था। जाहिर है कि मेरे ' एल4 में थोड़ी परेशानी थी और रीढ़ के उस हिस्से पर अतिरिक्त हड्डी विकसित हो गई थी। उन्होंने कहा, ' मझे इस हड्डी के कारण झुकने में भी परेशानी हो रही थी। इस अतिरिक्त हड्डी का दूसरी हड्डियों पर दबाव पड़ा जिससे वहां भी समस्या हो गई। यह पीठ की चोट के मामले में बेहद दुर्लभ है। ग्रीन के इस सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलने की उम्मीद है। वह ग्लूस्टरशायर के लिए पांच काउंटी क्रिकेट मैचों में तीन शतकों के दम पर टेस्ट टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा, ' पीठ की चोट का एक सकारात्मक पहलू यह है कि मुझे बल्लेबाज बनने के लिए केवल चार मौके मिले हैं। उन्होंने कहा, ' मुझे लगता है कि मेरा खेल उस समय (टीम में बतौर बल्लेबाज शामिल होगा) और अच्छा रहता है। मैं हमेशा गेंदबाजी करता रहूंगा, लेकिन ऐसी स्थिति में आपको अपने खेल के सिर्फ एक पहलू पर पूरा ध्यान लगाना होता है। उन्होंने कहा, ' जब आप गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों कर रहे होते हैं, तो आपको खुद को फिट और खेलने के लिए तैयार रखने के लिए गेंदबाजी के लिहाज से बहुत कुछ करना पड़ता है। इससे बल्लेबाजी थोड़ी प्रभावित होती है। ऐसे में सिर्फ बल्लेबाजी करना निश्चित रूप से अच्छा है।

हम नेशंस लीग जीतने के हकदार थे: पुर्तगाल कोच मार्टिनेज

म्यूनिख, एजेंसी। स्पेन को 5-3 से हराकर नेशंस लीग का खिताब जीतने वाली पुर्तगाल टीम के हेड कोच रोबर्टो मार्टिनेज बेहद खुश दिखे। मार्टिनेज ने टीम के खिलाड़ियों की जमकर प्रशंसा की और कहा कि हम खिताब जीतने के हकदार थे। म्यूनिख फुटबॉल एरीना में खेले गए नेशंस लीग फाइनल में निर्धारित समय में खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। पेनल्टी में पुर्तगाल ने स्पेन को हराकर खिताब जीता। इस जीत के साथ ही पुर्तगाल दो बार यूईएफए नेशंस लीग जीतने वाली पहली टीम बन गई। जीत के बाद पुर्तगाल के कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने कहा, फाइनल में जीत पर गर्व है। जीत बेहद अहम थी। हमने उस टीम के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए जीत हासिल की जिसे फाइनल खेलने का अनुभव है। मुझे अपने खिलाड़ियों का खेल और रवैया पसंद आया। हम जीत के हकदार थे। हेड कोच ने कहा कि 11 से ज्यादा खिलाड़ियों का होना बेहद जरूरी है। यह खेल शारीरिक से ज्यादा मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। मैच को लेकर हमारा दृष्टिकोण बेहद स्पष्ट था। बेंच पर बैठे खिलाड़ी भी जब मैदान में आए तो आक्रामक दिखे, इसने जीत में हमारी मदद की। स्पेन ने 2024/25 नेशंस लीग में 10 मैचों में 25 गोल किए, जो प्रतियोगिता के एक संस्करण में किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो नेशंस लीग के फाइनल में खेलने वाले और गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। रोनाल्डो की उम्र 40 साल 4 महीने और 4 दिन है। इससे पहले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का रिकॉर्ड क्रोएशिया के लुका मोड्रिक के नाम था। 2023 में स्पेन के खिलाफ वह 37 वर्ष 282 दिन की उम्र में खेले थे। इस बार जर्मनी, पुर्तगाल, स्पेन और फ्रांस फाइनल में पहुंची थी। पुर्तगाल ने जर्मनी को और स्पेन ने फ्रांस को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फ्रांस जर्मनी को हराकर तीसरे स्थान पर रही। नेशंस लीग की शुरुआत 2018 में हुई थी। लीग में कुल 55 टीमें खेलती हैं। 4 ग्रुप में टीमों को बांटा जाता है। ग्रुप ए और बी में 12-12 टीमें होती हैं। ग्रुप सी में 15 और ग्रुप डी में 16 टीम होती है। अब तक ये टूर्नामेंट चार बार खेला गया है। 2018-19 और 2024-25 का खिताब पुर्तगाल ने जीता है और लीग की सबसे सफल टीम है। 2020-21 में फ्रांस और 2022-23 में स्पेन ने खिताब जीता था।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में वसीम अकरम को पीछे छोड़ बनेंगे नंबर 1 गेंदबाज

जसप्रीत बुमराह इतिहास रचने की दहलीज पर

नई दिल्ली, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह, भारतीय क्रिकेट का वो सितारा, जो अपनी रफ्तार, सटीकता और अनोखे गेंदबाजी एक्शन से दुनिया भर में धमाल मचा रहा है। अब वह एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड की दहलीज पर खड़ा है। अगर बुमराह अपने अगले टेस्ट मैच में 5 विकेट और ले लेते हैं, तो वे स्थ्रह देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में 150 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे।

बुमराह का अब तक का सफर

जसप्रीत बुमराह ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ की थी। तब से लेकर अब तक, उन्होंने अपनी रफ्तार और स्विंग से बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है। देशों की पिचें तेज गेंदबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण होती हैं, बुमराह ने 145 विकेट सिर्फ 21.02 की औसत से लिए हैं।

सेना में एशियाई गेंदबाजों का प्रदर्शन

सेना देशों की पिचें हमेशा से एशियाई गेंदबाजों के लिए कठिन रही हैं। तेज और उछाल वाली पिचों पर गेंदबाजी करना आसान नहीं होता, लेकिन कुछ एशियाई दिग्गजों ने यहां अपनी छाप छोड़ी है। आइए, नजर डालते हैं उन शीर्ष एशियाई गेंदबाजों पर, जिन्होंने SENA में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लिए है.

बुमराह की खासियत

बुमराह की गेंदबाजी में सबसे खास बात है उनका अनोखा एक्शन और गेंद को स्विंग कराने की काबिलियत। उनकी यॉर्कर और स्लो बॉल बल्लेबाजों को हैरान कर देती हैं। स्थ्रह की मुश्किल पिचों पर, जहां गेंदबाजों को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है, बुमराह ने हमेशा अपनी टीम के लिए अहम मौकों पर विकेट निकाले। उनकी औसत 21.02 इस बात का सबूत है कि वे न सिर्फ विकेट लेते हैं, बल्कि बल्लेबाजों को कम रन बनाने का मौका देते हैं।

- वसीम अकरम (पाकिस्तान)
146 विकेट, औसत 24.11। वसीम की स्विंग और रिवर्स स्विंग ने बल्लेबाजों को हमेशा मुश्किल में डाला।
- जसप्रीत बुमराह (भारत)
145 विकेट, औसत 21.02। बुमराह की शानदार औसत उन्हें इस सूची में खास बनाती है।
- अनिल कुंबले (भारत)
141 विकेट, औसत 37.04। एक स्पिनर के रूप में कुंबले का यह प्रदर्शन कमाल का है।
- इशांत शर्मा (भारत)
130 विकेट, औसत 36.86। इशांत ने लंबे समय तक भारतीय गेंदबाजी की कमान संभाली।
- मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका)
125 विकेट, औसत 26.69। मुरली की फिरकी ने स्थ्रह में भी कमाल दिखाया।
- मोहम्मद शमी (भारत)
123 विकेट, औसत 32.88। शमी की सीम मूवमेंट ने बल्लेबाजों को खूब परेशान किया।
- जहीर खान (भारत)
119 विकेट, औसत 31.47। जहीर की सटीक लाइन और लेंथ हमेशा याद की जाएगी।
- कपिल देव (भारत)
117 विकेट, औसत 33.07। भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान ने गेंदबाजी में भी कमाल किया।
- वकार यूनुस (पाकिस्तान)
113 विकेट, औसत 29.15। वकार की रफ्तार और यॉर्कर अविश्वसनीय थे।

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले टॉप-5 गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से टेस्ट सीरीज की शुरुआत होने जा रही है, जिसमें कुल पांच मुकाबले खेले जाने हैं। पहला मैच लीड्स में आयोजित होगा, जिसके लिए भारतीय टीम इंग्लैंड में अपनी तैयारियां शुरू कर चुकी है। भारत ने इंग्लैंड में आखिरी बार टेस्ट सीरीज साल 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में जीती थी।

ऐसे में टीम इंडिया इस बार शुभमन गिल की कप्तानी में 18 साल के सूखे को समाप्त करने के इरादे से उतरेगी।

भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की बात करें, तो इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन टॉप पर हैं। शीर्ष-5 खिलाड़ियों की सूची में चार भारतीय हैं। आइए, भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं-

1. जेम्स एंडरसन

इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने साल 2006 से 2024 तक भारत के खिलाफ 39 मैच खेले, जिसकी 73 पारियों में 149 शिकार किए। इस दौरान एंडरसन ने छह बार पारी में 5 या इससे ज्यादा शिकार किए।

2. रविचंद्रन अश्विन

भारतीय स्पिनर ने साल 2012 से 2024 तक इंग्लैंड के विरुद्ध कुल 24 मुकाबलों की 45 पारियों में 114 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान आठ बार पारी में पांच या इससे ज्यादा विकेट चटकाए।

3. बीएस चंद्रशेखर

इस भारतीय स्पिनर ने साल 1964 से 1979 के बीच इंग्लैंड के खिलाफ 23 मुकाबलों की 38 पारियों में 95 विकेट हासिल किए। चंद्रशेखर इस फेहरिस्त में तीसरे पायदान पर हैं। चंद्रशेखर फाइव-विकेट हॉल के मामले में अश्विन की बराबरी पर हैं।

4. अनिल कुंबले

साल 1990 से 2007 के बीच इस लेग स्पिनर ने इंग्लैंड के खिलाफ 19 टेस्ट खेले, जिसकी 36 पारियों में 92 शिकार किए।

इस दौरान कुंबले ने चार बार पारी में पांच या इससे ज्यादा विकेट लिए। कुंबले टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

5. बिशन सिंह बेदी

साल 1967 से 1979 के बीच भारत के इस पूर्व स्पिनर ने इंग्लैंड के खिलाफ 22 टेस्ट खेले, जिसमें 85 विकेट चटकाए।

बिशन सिंह बेदी चार बार फाइव-विकेट हॉल के साथ कुंबले की बराबरी पर हैं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने विराट कोहली की नकल की?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में 18 साल के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 3 जून को अपना पहला खिताब जीता. इस दौरान टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली काफी इमोशनल हो गए थे. उनकी आंखों से आंसू रुक नहीं रहे थे. कुछ ऐसा ही नजारा अब फुटबॉल के एक मैच के दौरान देखने को मिला. जब फुटबॉल जगत के महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो खिताब जीतने के बाद काफी इमोशनल हो गए. इस दौरान वो विराट कोहली की नकल कर करने लगे. जिस तरह फाइनल जीतने के बाद विराट कोहली मैदान में घुटने के बल बैठकर सिर झुका लिया था, ठीक वैसा ही रोनाल्डो ने किया, जब उनकी टीम पुर्तगाल ने नेशंस लीग का खिताब का जीता. नेशंस लीग के फाइनल में पुर्तगाल ने पेनल्टी शूट आउट में स्पेन को हराकर दूसरी बार इस खिताब पर कब्जा किया. चोट के कारण क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेनल्टी शूट आउट में हिस्सा नहीं ले पाए थे. पेनल्टी शूट आउट के दौरान जैसे ही पुर्तगाल ने पेनल्टी को गोल में बदलकर दूसरी बार नेशंस लीग का खिताब

जीता, वैसे ही रोनाल्डो इमोशनल होकर अपने घुटनों पर बैठ गए और अपना सिर अपनीं बाहों के नीचे छिपा लिया. उनकी आंखों में खुशी की आंसू थे. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

फाइनल मुकाबले में किया शानदार गोल

स्पेन के खिलाफ खिताबी मुकाबले में में रोनाल्डो ने शानदार गोल करके मैच का बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया था. इसके बाद फैसला पेनल्टी शूट आउट से हुआ. खिताब जीतने के बाद टीम के कोच और खिलाड़ियों ने रोनाल्डो को बधाई दी. पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने कहा कि मैच के दौरान स्पेन दो बार हमसे आगे था, लेकिन रोनाल्डो ने अपने अनुभव का फायदा उठाकर टीम को शानदार जीत दिलवाई. टीम के साथी नूनो मेंडेस ने कहा कि रोनाल्डो हर चीज के हकदार हैं. वो मैदान के अंदर और बाहर भी हमारी मदद करते रहते हैं. वो हमारे रोल मॉडल हैं.

विराट हो गए थे इमोशनल

इससे पहले तीन जून को आईपीएल 2025 का खिताब जीतने बाद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली काफी भावुक हो गए थे. जैसे ही आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराया, वैसे ही विराट मैदान में घुटने के बल बैठ गए और सिर को नीचे झुका लिया था. अब रोनाल्डो ने खिताब जीतने के बाद ठीक वैसा ही किया.

इंडिया-वेस्टइंडीज और इंडिया-साउथ अफ्रिका मैचों के लिए अपडेटिड स्थानों की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस वर्ष के लिए अंतर्राष्ट्रीय घरेलू सत्र और दक्षिण अफ्रीका ए टीम टूर के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें वेस्ट इंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ परीक्षण श्रृंखला के लिए एक स्थल में बदलाव भी शामिल है।

बीसीसीआई ने एक बयान जारी कर कहा, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2025 के लिए अंतर्राष्ट्रिय घर के टूर और दक्षिण अफ्रीका ए टूर ऑफ इंडिया के लिए अपडेटिड कार्यक्रम की घोषणा की है। टीम इंडिया (सीनियर टीम) का सामना वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच, वन-डे इंटरनेशनल (एकदिवसीय) और टी20 इंटरनेशन में घर पर होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला 2 अक्टूबर, 2025 को अहमदाबाद में शुरू होगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट, जो मूल रूप से कोलकाता में होना था अब नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसके विपरीत 14 नवंबर, 2025 से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला का पहला टेस्ट अब नई दिल्ली के बजाय कोलकाता के ईडन गार्डन में आयोजित किया जाएगा।

इसके अलावा चेन्नई में एमए चिदंबरम स्टेडियम में आउटफील्ड और पिचों को फिर से बनाने के कारण टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच एकदिवसीय श्रृंखला को चेन्नई से स्थानांतरित कर दिया गया है। पहले दो वनडे अब न्यू चंडीगढ़ में नए पीसीए स्टेडियम में होंगे जबकि तीसरी और अंतिम वनडे नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की पुरुषों की टीम 30 अक्टूबर 2025 से शुरू होने वाले दो बहु-दिवसीय मैचों और तीन एकदिवसीय मैचों में भारत का सामना करना है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारत को लगा झटका, ऋषभ पंत ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम ने अभ्यास शुरू कर दिया है। भारतीय टीम ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और अन्य सपोर्ट स्टाफ की निगरानी में ट्रेनिंग की। लेकिन इसी ट्रेनिंग के दौरान भारत को बड़ा झटका भी लगता हुआ नजर आया जब विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक चोटिल हो गए। अभ्यास सत्र के दौरान पंत उस समय घायल हो गए जब एक गेंद बल्लेबाजी के दौरान उनके बाईं बांह में लग गई। गेंद लगने के बाद पंत दर्द में दिखाई दिए जिसके बाद टीम के डॉक्टर को बुलाना पड़ा और उन्होंने प्राथमिक उपचार करते हुए पंत के आइस पैक लगाया।

इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर कर दिया गया जहां उन्होंने आराम करते समय बिताया था। हालांकि, भारतीय टीम भाग्यशाली थी क्योंकि चोट बहुत गंभीर नहीं थी और बल्लेबाज ने सभी को आश्वस्त किया कि वह ठीक हैं। पांच मैचों की श्रृंखला 20 जून को लीड्स में शुरू होगी। दूसरे टेस्ट बर्मिंघम में होगा जिसके बाद लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 10 जुलाई से तीसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। ओल्ड ट्रैफर्ड और केनिंग्टन ओवल क्रमशः श्रृंखला के चौथे और पांचवें टेस्ट की मेजबानी करेंगे। रोहित शर्मा के टेस्ट संन्यास के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज और नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में खेला है।

भारतीय टीमः शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव

हैरी ब्रुक ने 11 दिनों के अंदर जीती दूसरी श्रृंखला

ब्रिस्टल (इंग्लैंड), एजेंसी। इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में वेस्टइंडीज को 9 गेंद शेष रहते चार विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। टीम ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में भी सूपड़ा साफ किया था जिससे नए कप्तान हैरी ब्रुक को 11 दिनों के अंदर दूसरी श्रृंखला में जीत दर्ज की। जोस बटलर के बाद टीम की कमान संभालने वाले ब्रूक की यह पांच मैचों में पांचवीं जीत है।

वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर 6 विकेट पर 196 रन बनाए। इंग्लैंड ने 18.3 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाकर मैच और श्रृंखला जीत ली। इंग्लैंड ने 9 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की लेकिन उसके लिए वेस्टइंडीज के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं था।

जरूरी रनरेट एक समय 11 रन प्रति ओवर से अधिक हो गया था। टीम हालांकि शीर्ष क्रम में छह में से पांच बल्लेबाजों के शानदार प्रयास से जीत दर्ज करने में सफल रही। जैकब बेथेल (10 गेंद में 26 रन) और टॉम बैंटन (11 गेंद में नाबाद 30) ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 21 गेंदों पर 56 रन की साझेदारी कर वेस्टइंडीज की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। श्रृंखला के शुरुआती मैच में 96 रन बनाने वाले बटलर ने 36 गेंदों पर 47 रन बनाकर एक बार फिर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। वेस्टइंडीज ने इससे पहले आखिरी दो ओवर में 47 रन बटोर कर प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। इस दौरान टीम ने 19वें ओवर में आदिल राशिद के खिलाफ पांच छक्के की मदद से 31 रन बटोरे। पूर्व कप्तान जैसन होल्डर (नाबाद 29) ने शुरुआती तीन गेंदों पर छक्के जड़े जबकि आखिरी दो गेंदों पर रोमारियो शेफर्ड (19) ने गेंद को दर्शको के पास पहुंचाया। कप्तान शाई होप वेस्टइंडीज के लिए शीर्ष स्कोरर रहे जिन्होंने चार छक्के की मदद से 38 गेंदों में 49 रन बनाए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज एविन लुईस के पहली गेंद पर खाता खोले बगैर आउट होने के बाद जॉनसन चार्ल्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी की।

चार्ल्स ने 39 गेंदों में 47 रन की पारी में तीन छक्के और तीन चौके लगाए। मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले ल्यूक वुड ने चार्ल्स को भी चलता किया। उन्होंने अपने चार ओवर में सिर्फ 25 रन खर्च कर दो विकेट लिये और मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। श्रृंखला का तीसरा मैच मंगलवार को साउथम्प्टन में खेला जाएगा।

वर्षा से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियाँ तत्काल उपलब्ध कराएं : कमिश्नर

उत्तरप्रदेश एवं मध्यप्रदेश के अधिकारियों ने बाढ़ नियंत्रण के लिए किया विचार मंथन

रीवा। रीवा जिले के त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए मध्यप्रदेश तथा उत्तरप्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विचार मंथन किया। कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र से कमिश्नर रीवा बीएस जामोद ने कहा कि मध्यप्रदेश की टमस तथा उत्तरप्रदेश की बेलन नदियों के जल क्षेत्र में लगातार भारी वर्षा होने पर त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो जाता है। बाढ़ से बचाव और स्थिति पर नियंत्रण के लिए दोनों राज्यों के अधिकारी वर्षा से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियाँ तत्काल एक-दूसरे को उपलब्ध कराएं। बाढ़ नियंत्रण से संबंधित कंट्रोल रूम तत्काल शुरू कर दें। बाढ़ नियंत्रण से जुड़े प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर फोन नम्बर अपडेट कर लें। लगातार वर्षा की स्थिति में बांधों के जल

स्तर तथा वर्षा की मात्रा के संबंध में हर घंटे जानकारी साझा करें। लगातार सम्पर्क और समन्वय से किसी भी आपात स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास करें। जल प्रबंधन की कमी के कारण किसी भी क्षेत्र में बाढ़ का प्रकोप नहीं होना चाहिए।

बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल कमिश्नर मिर्जापुर बीके त्रिपाठी ने कहा कि सिंचाई के लिए बांधों में पानी के संग्रहण के साथ-साथ आमजनता को बाढ़ से सुरक्षित रहने पर भी पूरा ध्यान दिया जाएगा। मेजा, सिरसी तथा अदवा बांधों में जल भराव में जल संसाधन विभाग के निर्धारित प्रोटोकाल का पूरी तरह से पालन किया जाएगा। बांधों से यदि आपात स्थिति में पानी छोड़ने की आवश्यकता हुई तो निचले इलाकों में समय पर सूचना दी जाएगी। दोनों राज्यों के अधिकारी टमस नदी के जल प्रवाह और बेलन नदी के जल प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए समन्वय से प्रयास करेंगे। हम त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ न आए इसके लिए पूरी सावधानी बरतेंगे। वर्षा की स्थिति और अनुमानों के आधार पर बाढ़ से जुड़े आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ मैदानी अमला भी एक-दूसरे के साथ सतत संपर्क में रहेगा।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि टमस एक्वाडक्ट और बियर बांध में अधिक मात्रा में पानी आने पर टमस नदी के जलग्रहण क्षेत्र में जल स्तर में तेजी से वृद्धि होती है और त्योंथर क्षेत्र के 100 से अधिक गांवों में बाढ़ का खतरा पैदा हो जाता है। इस बियर बांध से जल निकासी की समुचित प्रबंधों की आवश्यकता है। जल संसाधन विभाग के अधिकारी एक-दूसरे के संपर्क में रहकर सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं समय पर दें तथा कंट्रोल रूम को भी लगातार स्थिति से अवगत कराएं। बैठक में चीफ इंजीनियर जल संसाधन विभाग अशोक कुमार डेहरिया ने कहा कि गत वर्षों के अनुभव तथा वर्षा की स्थिति के अनुसार बाढ़ नियंत्रण की कार्ययोजना तैयार की गई है। इससे जुड़े अधिकारियों के फोन नम्बर का व्हाट्सएप ग्रुप बना लिया गया है। अदवा, सिरसी और मेजा बांधों को भरने के प्रोटोकाल का यदि पालन करेंगे तो बाढ़ की स्थिति नहीं आएगी। बांधों को अधिकतम स्तर में भरने के लिए वर्षा के अंतिम चरण तक प्रतीक्षा करनी चाहिए। टमस और बेलन नदी के जल ग्रहण क्षेत्रों में लगातार भारी बारिश होने पर दोनों राज्यों के अधिकारी बांधों से पर्याप्त अंतराल से पानी छोड़कर बाढ़ की स्थिति पर बहुत हद तक नियंत्रण कर सकते हैं। उन्होंने बाढ़ से निपटने के लिए किए गए प्रबंधों की बिन्दुवार जानकारी दी। बैठक में अपर कमिश्नर नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, कार्यपालन यंत्री मनोज तिवारी, उपायुक्त श्रेयस गोखले, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, कार्यपालन यंत्री अमरदीप त्रिपाठी, संभागीय कमाण्डेंट होमगार्ड महेशचन्द्र पंद्रे तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

रीवा। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 31 मई से प्रारंभ हो चुकी है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी किसी भी ऑनलाइन सेंटर अथवा मोबाइल के माध्यम से प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है। इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य मनीष तिवारी ने बताया कि विद्यार्थी को रीवा अथवा मऊगंज जिले के शासकीय विद्यालय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय में कक्षा 5 में अध्ययरत एवं रीवा अथवा मऊगंज जिले का निवासी होना चाहिए। विद्यार्थी ने कक्षा 3 और 4 की निरंतर पढ़ाई शासकीय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय से पूर्ण शिक्षण सत्र में उत्तीर्ण की हो तथा वर्तमान में कक्षा 5 में अध्ययनरत हो। विद्यार्थी 29 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कक्षा में आगामी सत्र में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 13 दिसम्बर को रीवा और मऊगंज जिले के सभी विकासखण्ड मुख्यालय में आयोजित की जाएगी।

केन्द्रीय जेल में बंदियों के लिये युग पुरोहित के प्रशिक्षण का किया गया शुभारंभ

रीवा। महानिदेशक जेल जीपी सिंह के निर्देश पर सुधारात्मक सेवाएं अन्तर्गत केन्द्रीय जेल में परिरुद्ध बंदियों को युग पुरोहित का प्रशिक्षण आरंभ किया गया है। जेल अधीक्षक केन्द्रीय के विशेष प्रयास से गायत्री परिवार के आचार्यों के कुशल मार्गदर्शन में परिरुद्ध बंदियों का युग पुरोहित का 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण में 30 बंदी सम्मिलित हुये ।

प्रशिक्षण के दौरान गायत्री शक्तिपीठ के आचार्यों द्वारा बंदियों को मानसिक एवं आध्यात्मिक शांति, विभिन्न श्लोकों के दैनिक वाचन तथा गायत्री मंत्र के नियमित पाठन से प्राप्त होने वाली ऊर्जा के संबंध में अवगत कराया गया। इस अवसर पर योगेन्द्र पमार उप जेल अधीक्षक, राजीव कुमार तिवारी शिक्षक की विशेष भूमिका रही। प्रशिक्षण के दौरान गायत्री परिवार ट्रस्ट गायत्री शक्तिपीठ के आचार्यों देवेश मिश्रा, रामयत्न मिश्रा, अनिल मिश्रा, रमेश श्रीवास्तव के साथ सतीश कुमार उपाध्याय जेल अधीक्षक संजीव कुमार गेंदले उप जेल अधीक्षक, श्रीमती पूजा मिश्रा सहायक जेल अधीक्षक, स्वदीप सिंह उपस्थित रहे ।

रोजगार मेला 16 जून को महावीर आईटीआई रीवा में

रीवा

युवा संगम कार्यक्रम के तहत महावीर आईटीआई रीवा में 16 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 12 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में अलर्ट एसजीएस प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़, आमधनी प्रा. लि. एमआरएफ टायर्स गुजरात, अपोलो टायर्स याजाकी धूत ट्रांसमिशन गुजरात, एल एण्ड टी कंस्ट्रक्शन कांचीपुरम, शक्ति पंप इंडिया लि. पीथमपुर धार, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा नासिक महाराष्ट्र, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, भारती एक्सा लाईफ इंश्योरेंस प्रा. लि. रीवा, ग्रेट आर्ग्रेनिक डायमंड कंपनी लि. सागर तथा स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा. लि. भोपाल में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों को दी जा रही उन्नत खेती की जानकारी

रीवा। जिले के प्रत्येक विकासखण्ड में विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर कृषि विभाग के अधिकारी तथा कृषि वैज्ञानिक किसानों को उन्नत खेती की जानकारी दे रहे हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के लोहदवार तथा रौरा में आयोजित शिविर में किसानों को डॉ चन्द्रजीत सिंह कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को धान की उन्नत किस्म तथा बीजोउपचार की जानकारी दी। किसानों को बताया

गया कि फसल बीमा योजना नाममात्र के प्रीमियम पर की जाती है। किसान की फसल हमेशा खुले में रहती है। उसे सदैव विभिन्न तरह के प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना पड़ता है। प्राकृतिक प्रकोपों से फसलों को हानि होने पर किसान को बीमा सुरक्षा का लाभ मिलता है। इसलिए हर किसान अपनी फसल का बीमा अवश्य कराएं। शिविर में 82 किसान उपस्थित रहे। अभियान के तहत विकासखण्ड जवा के ग्राम इटमा में आयोजित शिविर में किसानों को कृषि, उद्यानिकी और पशुपालन विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में बताया गया कि किसान शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर गौपालन करें। इसके माध्यम से किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। खेत तालाब में यदि आठ-नौ माह तक पानी रहता है तो उसमें कम अवधि की मछलियों का पालन किया जा सकता है। बकरी पालन तथा मुर्गी पालन के लिए भी शासन की योजनाओं से किसानों को सहयोग किया जाता है। विकासखण्ड गंगेव में आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान में जनपद सदस्य रामबहोर कोरी तथा सरपंच ममता अजय शुक्ला ने भागीदारी निभाई। शिविर में 104 किसानों की सहभागिता रही। शिविर में कृषि वैज्ञानिक एके पटेल, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी शिवशरण सरल तथा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में प्राकृतिक खेती मिशन, उन्नत कृषि उपकरणों तथा उद्यानिकी विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में सरपंच ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आम के पौधे रोपित किए।

ननि द्वारा हटाया गया अतिक्रमण

रीवा। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर नगर निगम टीम एवं पुलिस बल के सहयोग से रानीतालाब परिसर दीवाल से सटे स्थल में सड़क के अगल बगल किये गये अतिक्रमण हटाने एवं पुर्नवसन की कार्यवाही की गई। नगर निगम रीवा क्षेत्र अंतर्गत रानीतालाब परिसर दीवाल से सटे स्थल पर बरसात में दीवाल गिरने की संभावना से जनधन हानि का खतरा बना रहता था। तथा कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा भी किया जाकर निवास किया जा रहा था। स्थल में निवासरत पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भवन आवंटित किया जाकर उन्हें पक्के मकान में शिफ्ट कराते हुए उक्त स्थल को शांति व्यवस्था के साथ रिक्त करने की कार्यवाही की गई। कुछ अवैध कब्जाधारियों द्वारा वर्षों से झुग्गी निर्मित कर स्थल में निवास किया जा रहा था, साथ ही कई अनैतिक गतिविधियों की भी शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थी। उक्त स्थल में निवासरत लोगों को नगर निगम द्वारा नोटिस एवं मुनादी कर लगातार स्थल खाली किये जाने हेतु कई बार सूचित किया गया इसके बाद भी लोगों द्वारा स्थल न खाली करने पर उक्त कार्यवाही नगर निगम प्रशासन द्वारा की गई। उक्त कार्रवाई के दौरान जिन हितग्राहियों को आवास आवंटित था, उन्हें आवास में भी वाहन द्वारा रतहरा पीएम आवास में सामग्री पहुँचाकर शिफ्ट कराया गया। जिससे पीएम आवास रतहरा मे पुर्नवसन के माध्यम से लोग अच्छे एवं बेहतर ढंग से साफ-स्वच्छ वातावरण में जीवन यापन कर सके। नगर निगम द्वारा अवैध कब्जा व अतिक्रमण हटाने एवं पुर्नवसन की यह कार्रवाई शांति रूप से सम्पन्न की गई।

हेल्दी लीवर मिशन के तहत 12 जून को मनाया जाएगा फैटी लीवर डे

रीवा। रीवा और मऊगंज जिले में एक जून से स्वस्थ लीवर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की विशेष पहल से फैटी लीवर के बारे में जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत 12 जून को फैटी लीवर दिवस मनाया जाएगा। इस दिन जिले भर में स्वास्थ्य संस्थाओं में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज से बचाव के संबंध में जागरूक किया जाएगा। इसके साथ-साथ फैटी लीवर के संभावित रोगियों की जाँच के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और जिला चिकित्सालय में निःशुल्क जाँच शिविर लगाए जाएंगे। गांव में प्रशिक्षित आशा कार्यकर्ता और एएनएम फैटी लीवर रोगियों की पहचान कर उनकी जाँच कराएंगे। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिसीज एक ऐसा विकार है जिसमें लीवर में अतिरिक्त वसा जमा हो जाता है। आमतौर पर शुरूआत में इससे किसी तरह की तकलीफ नहीं होती है तथा शरीर पर किसी तरह के लक्षण दिखाई नहीं देते हैं लेकिन बाद में पीड़ित को थकान, ऊपरी दाहिने पेट में दर्द और कभी-कभी पीलिया जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। फैटी लीवर आमतौर पर मोटापे, डायबिटीज और बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल जैसे कारणों से जुड़ा होता है। फैटी लीवर होने पर लीवर में सूजन, लीवर सिरोसिस और लीवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। लीवर सिरोसिस पर ध्यान न देने पर यह लीवर कैंसर में परिवर्तित होकर मृत्यु का कारण बन सकता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि फैटी लीवर से बचाव के लिए हर व्यक्ति अपने वजन पर नियंत्रण रखे। अधिक वजन वाले व्यक्तियों को इसका अधिक खतरा रहता है। ऐसे डाइट कार्यक्रम से दूर रहें जो लंबे समय तक भूखे रहने की सलाह देते हैं। फैटी लीवर से बचाव के लिए आहार में वसा की मात्रा कम करें। अधिक कार्बोहाइड्रेट युक्त आहार जैसे चावल, आलू, सफेद ब्रेड का सेवन न करें। ये पदार्थ हमारी आंतों में जल्दी से अवशोषित हो जाते हैं और फैट के रूप में परिवर्तित होकर लीवर पर परत बना लेते हैं। इनके स्थान पर व्यक्ति को अनाज, दालें, नट्स, सेव, संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। कार्बोनेटेड पेय पदार्थ और फ्रुक्टोज से भरपूर जूस का सेवन न करें। हर व्यक्ति हर साल लीवर एंजाइम, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जाँच अनिवार्य रूप से कराए। ब्लडप्रेशर अथवा डायबिटीज होने पर इसका समुचित उपचार करें।

सिंदूर के पौधे रोपित कर आयोजित किया गया हरित योग

रीवा। रीवा संभाग के सभी जिलों में 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। योग दिवस के कार्यक्रमों में आमजनता की बड़ी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आयुर्वेद विभाग अन्य विभागों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस क्रम में अटल पार्क सिविल लाइन रीवा में हरित योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व महापौर श्री वीरेन्द्र गुप्ता ने सिंदूर का पौधा रोपित करके हरित योग कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर औषधीय पौधों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा कार्यक्रम में सहभागी 300 से अधिक आमजनों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इस संबंध में संभागीय आयुष अधिकारी डॉ शारदा मिश्रा ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा हरित योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व योग दिवस पूर्व तैयारी और पर्यावरण जागरूकता के लिए आयुष विभाग रीवा एवं ग्राहक पंचायत तथा डिब्रायु फार्मास्युटिकल के संयुक्त तत्वावधान में हरित योग का आयोजन किया गया। विश्व योग दिवस में अपनी सहभागिता निभाने के लिए हर व्यक्ति अथवा कोई भी संगठन योगा डॉट आयुष डॉट जीओभी डॉट इन/योगा-संगम पर पंजीयन कर सकता है। पर्यावरण और योग एक दूसरे के पूरक हैं। योग व्यक्ति को सम्पूर्ण स्वस्थ्य बनाता है और स्वच्छ पर्यावरण स्वास्थ्य की रक्षा करता है। इसी उद्देश्य के लिए यह हरित योग का कार्यक्रम अटल पार्क में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त नगर निगम प्रकाश द्विवेदी, निजी संस्था के संचालक डॉ मुनीन्द्र द्विवेदी तथा ग्राहक पंचायत कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी केन्द्र चिरहुला में आयोजित किया गया मलेरिया और डेंगू जागरूकता शिविर

रीवा। जून माह को मलेरिया माह के रूप में मनाया जा रहा है। जिले भर में मलेरिया रोग से बचाव और उपचार के संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस क्रम में आंगनवाड़ी केन्द्र चिरहुला में स्वास्थ्य विभाग की एंबेड परियोजना से निजी संस्था के सहयोग से मलेरिया जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस संबंध में एंबेड परियोजना की क्षेत्रीय समन्वयक कंचन सिंह ने बताया कि मच्छर खुले में पुराने बर्तनों, टायर अथवा जमीन में एकत्रित पानी में प्रजनन करते हैं। इसीलिए वर्षाकाल में मच्छरों की संख्या में तेजी से वृद्धि होती है। मलेरिया की रोकथाम के लिए घर के आसपास छत आदि में पानी एकत्रित न होने दें। गमलों, पुराने टायर, पुराने बर्तनों आदि में भी पानी का संचय न होने दें। स्थिर पानी में ही मच्छर अंडे देते हैं। मलेरिया से बचाव के लिए सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। यदि किसी व्यक्ति को सरदर्द, बुखार, जोड़ों में दर्द की शिकायत रहती है तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर मलेरिया की निःशुल्क जाँच कराएं। जाँच के परिणाम के अनुसार डॉक्टर की सलाह पर उचित उपचार कराएं।

ननि द्वारा कराया गया साफ-सफाई का कार्य

रीवा। स्वच्छ भारत मिशन शहरी थीम के तहत एवं वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुये निगमायुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देश पर नगर निगम के नाला गैंग द्वारा अभियान के रूप में लगातार नाला नालियो की सफाई का कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में नगर पालिक निगम क्षेत्रांतर्गत नाला गैंग द्वारा दिनांक 09 जून को वार्ड 44 महाजन टोला भल्ला सब्जी वाले के पीछे का बड़ा नाला साफ कराया गया। चैन माउंटेन मशीन द्वारा जलसा मैरिज गार्डन के बगल के बड़ा नाला की सफाई कराई गई। वार्ड 16 पाल पैलेस मोड़ से लेकर संस्कृति मैरिज गार्डन तक नाले का चेम्बर खुलवाकर कचरे की सफाई कराई गई। वार्ड 12 सतनाम होटल के सामने का बड़ा नाला साफ कराया गया।

सीमांकन के प्रकरणों का 30 जून तक निराकरण करें

सर्किलवार रोस्टर बनाकर समय सीमा के प्रकरणों का निराकरण करायें : कलेक्टर

रीवा

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने समय सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों सहित आरसीएमएस में दर्ज शिकायतों के निराकरण की सीमा की। उन्होंने बैठक में उपस्थित समस्त तहसीलदारों को निर्देश दिये कि सीमांकन के सभी प्रकरण 30 जून तक अनिवार्यतः निराकृत करें तथा समाधान की 50 दिवस की लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करायें।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने राजस्व विभाग में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि कब्जे से संबंधी शिकायतों में बेदखली की कार्यवाही करते हुए निराकृत करें। स्वामित्व योजना के तहत जवा एवं त्योंथर के लंबित प्रकरणों का प्रारूप प्रकाशन कराकर निराकरण करायें। उन्होंने जिले में फार्मर रजिस्ट्री के प्रकरणों में न्यून प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा प्रतिदिवस समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने विभागीय को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को संतुष्टि पूर्वक निराकरण करायें तथा ए ग्रेड में आये तभी जिले को ए ग्रेड मिलेगा। बैठक में बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। टीएल बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों को 30 जून तक पूर्ण करने तथा 15 जून तक वृक्षरोपण हेतु सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, समस्त एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ जनपद तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापक निवेश अवसर

'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना' समिट

10 जून, 2025 | प्रातः 10:00 से सायं 6:00 बजे तक
कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर, भोपाल

मुख्य अतिथि

मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव

समिट के मुख्य आकर्षण

- सौर संयंत्रों की स्थापना हेतु जारी निविदा संबंधी जानकारी
- शासकीय संस्थाओं द्वारा अपनाई जाने वाली स्टैन्डर्ड ऑपरेटिंग प्रक्रिया की जानकारी
- बैंकों एवं इनवर्टर निर्माताओं के साथ परियोजनाओं की वित्तीय एवं तकनीकी व्यवस्थाओं पर परिचर्चा

योजना के प्रमुख उद्देश्य

- मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को कम मूल्य पर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित कराना
- ट्रांसमिशन हानि कम करना एवं सीधे खपत स्थल पर बिजली पहुंचाना
- 33/11 केवी उपकेंद्रों पर ओवरलोडिंग, लो-वोल्टेज और पावर कट की समस्या कम करना
- किसान को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध कराना

नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार

- सब-स्टेशन की 100% क्षमता तक की परियोजनाओं की स्थापना
- परियोजनाओं को पीएम कुसुम-सी योजनांतर्गत उपलब्ध केंद्रीय अनुदान का लाभ लेने का विकल्प
- 1900 से अधिक विद्युत सबस्टेशन एवं 14500 मेगावॉट क्षमता सौर परियोजनाओं के चयन हेतु उपलब्ध
- पीएम कुसुम योजना में 3.45 लाख पम्प का लक्ष्य
- वोकल फॉर लोकल - स्थानीय उद्यमियों के लिए निवेश एवं रोज़गार सृजन का उचित अवसर
- वित्त पोषण की सुगमता के लिए बैंकों से समन्वय
- परियोजनाओं में AIF के तहत 7 वर्षों तक 3% ब्याज में छूट
- Reactive Power प्रबंधन से अतिरिक्त आय

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @JansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D-11043/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस सिंह रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833